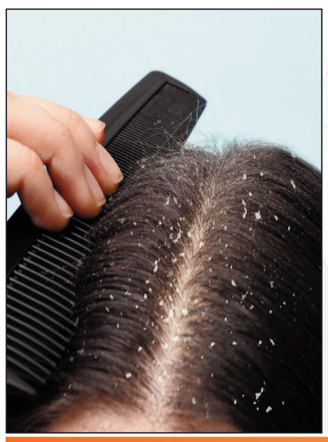

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

ये हैं डैंड्रफ को दूर करने के उपाय पेज: 7

सपनों को उड़ान देने के लिए पंख जरूरी और ये पंख हमारे अपने पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 70 | गुरुवार 11 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

पीओके में बवाल के बीच एक्शन मोड में भारतीय सेना, सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी पहुँचे उत्तरी कमान

नई दिल्ली एजेंसी: पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानि पीओके में बिगड़ते हालात, पाकिस्तानी फौज की बर्बर कार्रवाई और लगातार सुलगते जनाक्रोश के बीच भारतीय सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी का जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले स्थित उत्तरी कमान मुख्यालय पहुंचना बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एक तरफ पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आम लोगों पर गोलियां बरसाई जा रही हैं, दूसरी तरफ भारतीय सेना अपनी तैयारी, तकनीकी क्षमता और युद्धक दक्षता को और मजबूत करने में जुटी दिखाई दे रही है। यही वजह है कि सेनाध्यक्ष का यह दौरा बदलते सुरक्षा परिदृश्य के बीच भारत की सख्त रणनीतिक चेतावनी के तौर पर भी देखा जा रहा है। हम आपको बता दें कि सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने उत्तरी कमान मुख्यालय में

अभियान संबंधी तैयारियों, क्षमता विकास और सेना के आधुनिकीकरण अभियानों की व्यापक समीक्षा की। सेना के अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय ने जानकारी देते हुए बताया कि सेनाध्यक्ष ने उत्तरी कमान और विभिन्न सैन्य शाखाओं के अधिकारियों के साथ प्रत्यक्ष और डिजिटल माध्यम से विस्तार से चर्चा की। इस दौरान बहु आयामी सैन्य अभियानों, नई तकनीकों के इस्तेमाल, बुनियादी ढांचा विकास और हर परिस्थिति में समेकित सैन्य तैयारी को लेकर विस्तार से प्रस्तुति दी गई। सूत्रों के मुताबिक सेनाध्यक्ष को इस बात की जानकारी दी गई कि तेजी से बदलते सुरक्षा माहौल में सेना किस तरह डेटा आधारित युद्ध क्षमता, नेटवर्क आधारित संचालन और आधुनिक तकनीकों के सहारे अपनी ताकत को नई धार दे रही है। जनरल द्विवेदी ने स्पष्ट कहा कि आने वाले समय की चुनौतियां पारंपरिक नहीं होंगी, इसलिए सेना को तकनीकी रूप से और अधिक सक्षम तथा लचीला बनाना जरूरी है। उन्होंने नवाचार,

नेटवर्क आधारित संचालन और आधुनिक तकनीकों के सहारे....

सूत्रों के मुताबिक भारतीय सेनाध्यक्ष को इस बात की जानकारी दी गई कि तेजी से बदलते सुरक्षा माहौल में सेना किस तरह डेटा आधारित युद्ध क्षमता, नेटवर्क आधारित संचालन और आधुनिक तकनीकों के सहारे अपनी ताकत को नई धार दे रही है।

आधुनिक युद्ध प्रणाली और तकनीकी अंगीकरण पर विशेष जोर दिया। सेनाध्यक्ष ने अभियानगत क्षमताओं को और मजबूत करने के उपायों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों और जवानों की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि हर परिस्थिति में युद्ध के लिए तैयार रहना भारतीय सेना की सबसे बड़ी ताकत है। यही कारण है कि उत्तरी सीमाओं पर तैनात सेना लगातार अपनी तैयारी को नए स्तर तक ले जाने में जुटी है। देखा जाये तो भारतीय सेना की यह सक्रियता ऐसे समय में सामने आई है जब पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में हालात विस्फोटक बने हुए हैं। वहां पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की बर्बर कार्रवाई ने पूरे इलाके को दहला दिया है। खुफिया दस्तावेजों के अनुसार पांच जून से नौ जून के बीच पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा एजेंसियों ने आम नागरिकों के खिलाफ सुनियोजित हिंसा चलाई। बताया गया है कि बारमंग पुल गोलीकांड के बाद हालात तेजी से बिगड़े और आर्थिक सुधारों की मांग कर रही संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी को आतंकवाद विरोधी कानूनों के तहत प्रतिबंधित कर दिया गया। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी के नेता शहजैब हबीब की हत्या के बाद लोगों का गुस्सा और भड़क उठा। हम आपको बता दें कि आधिकारिक आंकड़ों में जहां मरने वालों की संख्या ग्यारह बताई जा रही है, वहीं खुफिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मरने वालों में 19 बच्चे और सात गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। यह आरोप भी लगाया गया है कि पाकिस्तान ने मुख्य भूमि से करीब चौदह हजार अतिरिक्त सैनिक पीओके में उतार दिए हैं। सबसे गंभीर आरोप यह है

विकसित भारत का संकल्प पूरा हो रहा, सिंधिया बोले- पीएम मोदी ने 12 साल में बदली देश की तस्वीर

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष में न केवल विकास के नए मानक स्थापित हुए हैं बल्कि करोड़ों गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव भी सुनिश्चित हुआ है। सिंधिया ने यहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, मोदी सरकार ने न केवल विकास के नए मानक स्थापित किए हैं, बल्कि करोड़ों गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव भी सुनिश्चित किया है। महिलाओं को नए अवसर मिले हैं, युवाओं की आकांक्षाओं को नयी उड़ान मिली है और देश ने वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ अपनी पहचान मजबूत की है।

एनसीपी प्रमुख शरद पवार का भाजपा पर हमला, कहा- पीएम मोदी की नेहरू से कोई बराबरी नहीं

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप)के अध्यक्ष शरद पवार ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तुलना जवाहरलाल नेहरू से किए जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री के त्याग और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को नहीं भूल सकते। पवार ने राकांपा(शप)के27वें स्थापना दिवसकार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं और ऐसी छवि बनाई गई है कि उनके जैसा कोई नेता नहीं है। उन्होंने कहा, राष्ट्र निर्माण और स्वतंत्रता संग्राम में नेहरू के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता और उसका सम्मान किया जाना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, उनकी तुलना किसी और से नहीं की

जा सकती। महात्मा गांधी के नेतृत्व में आजादी की लड़ाई के दौरान नेहरू ने कई साल जेल में बिताए। पवार ने मोदी के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड का जिक्र करते हुए कहा, यह अच्छी बात है। संसदीय लोकतंत्र में प्रधानमंत्री का पद संवैधानिक होता है और हमें उसका सम्मान करना चाहिए। लेकिन नेहरू तो नेहरू हैं और भारतीय उनके त्याग को नहीं भूल सकते। महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता गिरीश महाजन ने आरोप लगाया था कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने सिखों पर अत्याचार किया। पवार ने महाजन के इस बयान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, ऐसा बयान स्वीकार्य नहीं है। ऑपरेशन ब्लू स्टार इंदिरा गांधी का एक बलिदान था। सिखों ने देश की सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के लिए सीमाओं पर काम किया है। कुछ लोगों ने अलग रास्ता चुना। कुछ घटनाएं हुईं जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता। इंदिरा गांधी ने देश की प्रतिष्ठा और सुरक्षा से कभी समझौता नहीं किया। महाजन ने ऑपरेशन ब्लू स्टार को काला दिवस करार देकर और 1984 की सेना की कार्रवाई की तुलना अफगान शासक अहमद शाह अब्दाली के हमले से करके राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। विपक्षी दलों ने महाजन के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें पद से हटाने की मांग की है।

भाजपा नेता ने ऑपरेशन ब्लू स्टार को सिख समुदाय के पवित्र स्थल पर सैन्य हमला करार देते हुए आरोप लगाया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जबरन सेना को पंजाब और उस पवित्र परिसर के भीतर भेजा था।

एनडीए नेताओं ने पीएम मोदी को दी बधाई, भारत मंडपम में झालमुड़ी का आनंद लिया

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत मंडपम में नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) नेताओं की एक बैठक को संबोधित करने वाले हैं, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले इस गठबंधन को सत्ता में 12 साल पूरे हो गए हैं। इस बैठक में एनडीए -शासित सभी 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता शामिल होंगे, जो कामकाज और गठबंधन के भविष्य के रोडमैप पर चर्चा करेंगे। यह कार्यक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब मोदी भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री बन गए हैं, और उन्होंने जवाहरलाल नेहरू का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे पहले आज, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने "विकसित भारत" के

प्रधानमंत्री मोदी के विजन का समर्थन करते हुए और राष्ट्रीय सुरक्षा, समावेशी विकास और सामाजिक न्याय पर उनके नेतृत्व की सराहना करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया, क्योंकि वे भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री बन गए हैं। मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में पारित इस प्रस्ताव में उन्हें चुने हुए प्रधानमंत्री के तौर पर जवाहरलाल नेहरू के 4,398 दिनों के रिकॉर्ड को तोड़ने पर बधाई दी गई और भरोसा जताया गया कि उनके नेतृत्व में भारत एक आत्मनिर्भर, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र के रूप में नई ऊंचाइयां हासिल करता रहेगा। एनडीए सम्मेलन में भाग लेने वाली पार्टियाँ तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू), ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके), शिव सेना (एसएचएस), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), लोक जनशक्ति पार्टी-राम विलास (एलजेपी-आरवी), नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी), ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (एजेएसयू), अपना दल सोनीलाल (एडीएस), असम गण परिषद (एजीपी), जन सेना पार्टी (जेएसपी), जनता दल सेक्युलर (जेडीएस), नागा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ),

सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम), टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी), बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ), पट्टाली मक्कल काची (पीएमके), भारत धर्म जन सेना (बीडीजेएस), हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (एचएएम), निषाद पार्टी, राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी), राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम), रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया-अठावले (आरपीआई-ए), और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) भाग ले रहे हैं।

सीएम आवास योजना और आयुष्मान भारत कवर..यूपी की तीन तलाक और एसिड अटैक पीड़ितों के लिए योगी सरकार का बड़ा फैसला

लखनऊ एजेंसी: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार आधी आबादी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए एक अभूतपूर्व कल्याणकारी खाका तैयार कर रही है। राज्य सरकार ने समाज की सबसे जरूरतमंद और पीड़ित महिलाओं–जिनमें तीन तलाक से प्रभावित, एसिड अटैक की शिकार और बेसहारा या परित्यक्त महिलाएं शामिल हैं–को मुख्यधारा में लाने के लिए एक विशेष योजना को अमलीजामा पहनाना शुरू कर दिया है। इस संवेदनशील पहल के तहत पात्र पीड़ित महिलाओं को न केवल सुरक्षित छत (आवास) मुहैया कराई जाएगी, बल्कि उनके संपूर्ण इलाज और स्वास्थ्य सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सरकार उठाएगी। आधिकारिक योजनाओं के अनुसार, पात्र महिलाओं को 'प्रधानमंत्री आवास योजना' और 'मुख्यमंत्री आवास योजना' जैसी प्रमुख आवास योजनाओं में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा, उन्हें 'आयुष्मान भारत' और 'मुख्यमंत्री जन आरोग्य

योजना' जैसे प्रमुख स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रमों का लाभ भी मिलेगा। मुख्यमंत्री के निदेशों के बाद इस पहल पर तेजी से काम हो रहा है और महिला एवं बाल विकास विभाग लाभार्थियों का डेटा इकट्ठा कर रहा है। सरकार ने राज्य भर में पात्र महिलाओं की पहचान करने के लिए बड़े पैमाने पर डेटा इकट्ठा करने और उसकी पुष्टि करने का काम शुरू कर दिया है। तीन श्रेणियों की महिलाओं को मिलेगा लाभ अधिकारियों ने बताया है कि तीन मुख्य श्रेणियों की महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगीः तीन तलाक से प्रभावित महिलाएं, एसिड अटैक से बची महिलाएं और बेसहारा या छोड़ी गई महिलाएं। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि इन समूहों को घर, स्वास्थ्य सेवा और व्यापक सामाजिक सुरक्षा का लाभ व्यवस्थित रूप से मिल सके।

अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि यह योजना सिर्फ.आर्थिक मदद तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका ध्यान सुरक्षित घर और व्यापक स्वास्थ्य सेवा कवरेज के जरिए लंबे समय तक स्थिरता देने पर है, ताकि लाभार्थी सम्मानजनक और स्वतंत्र जीवन जी सकें। सरकार पात्र लोगों की सही पहचान सुनिश्चित करने के लिए कई विभागों के साथ तालमेल बिठा रही है और यह कोशिश कर रही है

सीएम सुवेंदु अधिकारी ने रखा होम, स्वपन दासगुप्ता को मिला वित्त विभाग, देखें पूरी लिस्ट

नई दिल्ली एजेंसी: पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने बुधवार को अपने कैबिनेट मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा किया। उन्होंने स्वप्न दासगुप्ता को वित्त विभाग और तापस रॉय को उद्योग एवं वाणिज्य विभाग सौंपा, जबकि महत्वपूर्ण गृह मंत्रालय अपने पास रखा। सुवेंदु के पास अहम विभागों का जिम्मा बना रहेगा, जिनमें हिल अफेयर्स; जमीन और जमीन सुधार; शरणार्थी राहत और पुनर्वास; बिजली; सूचना और सांस्कृतिक मामले; और कार्मिक और प्रशासनिक सुधार शामिल हैं। इसके अलावा, जिन विभागों की ज़िम्मेदारी दूसरे मंत्रियों को नहीं दी गई है, वे भी उन्हीं के पास रहेंगे। अग्निमित्रा पॉल, जिनके पास पहले महिला एवं बाल विकास और सामाजिक कल्याण विभाग थे, उन्हें अब शहरी विकास और नगरपालिका मामलों का विभाग सौंपा गया है। दीपक बर्मन को स्कूली शिक्षा, आवास, एमएसएमई और कपड़ा विभाग दिए गए हैं, जबकि शरदवत मुखर्जी स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग संभालेंगे। शंकर घोष संसदीय मामलों और पर्यटन मंत्री होंगे; अर्जुन सिंह को श्रम और परिवहन विभाग सौंपा गया है,

जबकि गौरी शंकर घोष पिछड़ा वर्ग कल्याण, जन शिक्षा विस्तार और पुस्तकालय सेवाओं का जिम्मा संभालेंगे। राज्य मंत्रियों (स्वतंत्र प्रभार) में, मालती रावा रॉय महिला एवं बाल विकास और सामाजिक कल्याण मंत्री होंगी, और इंद्रनील खान युवा सेवा एवं खेल तथा उपभोक्ता मामलों के विभागों का जिम्मा संभालेंगे।

कांग्रेस छोड़ टीएमसी में आई सुष्मिता देव अब भाजपा में? नार्थ ईस्ट के चाणक्य के साथ की मुलाकात

नई दिल्ली एजेंसी: तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी को पार्टी के भीतर चल रही बगावत के बीच एक और झटका लगा है। पार्टी नेता सुष्मिता देव ने बुधवार को राज्यसभा सांसद के पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने एक पत्र के जरिए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंपा। एक और दिलचस्प घटनाक्रम में, इस्तीफा सौंपने के कुछ ही मिनटों बाद सुष्मिता देव ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से मुलाकात की, जिससे इस बात की अटकलें तेज हो गई हैं कि वह बीजेपी में शामिल हो सकती हैं। पत्र में लिखा था, मैं इसके द्वारा राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देता हूँ, जिसे कृपया तत्काल प्रभाव से स्वीकार किया जाए। राज्यसभा सदस्य के तौर पर मेरे कार्यकाल के दौरान मिली हर तरह की मदद और सहयोग के लिए मैं महामहिम, माननीय उप-सभापति और राज्यसभा सचिवालय के सभी अधिकारियों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूँ।

इस इस्तीफे के साथ ही, एक हफ़्ते के अंदर तृणमूल कांग्रेस के लिए राज्यसभा से यह दूसरी रवानगी है। पहला बड़ा झटका तब लगा जब सुखेंदु शेखर रॉय ने - जिन्होंने 13 साल तक अपर हाउस में पार्टी के चीफ व्हिप के तौर पर काम किया था - पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को कड़े शब्दों वाला पत्र भेजने के बाद संसद से इस्तीफा दे दिया। अपने इस्तीफे के पत्र में रॉय ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल के लोग तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ हो गए हैं। उन्होंने इसके लिए बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पार्टी की विफलता और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्योग, रोजगार और कानून-व्यवस्था जैसे अहम क्षेत्रों में बिगड़ते हालात को ज़िम्मेदार ठहराया। इन दो इस्तीफों के बाद, राज्यसभा में TMC के सदस्यों की संख्या अब 11 हो गई है। यह घटनाक्रम पश्चिम बंगाल विधानसभा में हुई बगावत के बाद सामने आया है, जहाँ खबरों के अनुसार 58 विधायकों ने बागी नेता रिताब्रता बनर्जी का समर्थन किया। असम के सिलचर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस की पूर्व लोकसभा सांसद देव ने 2019 का आम चुनाव हारने के बाद 2021 में तृणमूल कांग्रेस का दामन थामा था।

बांग्लादेशी घुसपैठिए को खदेड़ने के लिए पश्चिम बंगाल में हो रही ताबड़तोड़ कार्रवाई, घुसपैठियों पर सख्ती से बौखलाया ढाका

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल की धरती पर वह जोरदार अभियान इस समय तेजी से आगे बढ़ता चला जा रहा है जिसका इंतजार देश लंबे समय से कर रहा था। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ जिस कठोर अभियान का बिगुल फूंका है, उसने पूरे घुसपैठ तंत्र को हिला कर रख दिया है। सीमा पार से अवैध तरीके से भारत में घुसकर यहां की जमीन, रोजगार, संसाधनों और सुरक्षा पर बोझ बनने वालों के खिलाफ अब साफ संदेश दे दिया गया है कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है और पश्चिम बंगाल अब घुसपैठियों की सुरक्षित शरणस्थली नहीं रहने वाला। उत्तर 24 परगना जिले के हाकिमपुर सीमा चौकी से लेकर कोलकाता तक प्रशासन पूरी ताकत के साथ अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान, गिरफ्तारी और निर्वासन अभियान चला रहा है। पिछले कुछ हफ्तों में हजारों लोगों को हिरासत केंद्रों में भेजा गया है जबकि हजारों को वापस बांग्लादेश भेजने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने स्पष्ट कर दिया है कि राज्य की सुरक्षा और जनसांख्यिकीय संतुलन से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। हाकिमपुर सीमा चौकी पर

रोजाना दो सौ से तीन सौ तक संदिग्ध घुसपैठियों के पहुंचने की खबरें इस बात का प्रमाण हैं कि वर्षों से सीमा पार से अवैध घुसपैठ का संगठित खेल चलता रहा। गरीबी, रोजगार या इलाज के नाम पर भारत में दाखिल होकर हजारों लोग फर्जी पहचान बनाकर यहां बस गए। कई लोग निर्माण मजदूर बने, कई ने किराये के मकानों में रहकर स्थानीय व्यवस्था में घुसपैठ कर ली। लेकिन अब प्रशासन ने साफ कर दिया है

हाकिमपुर सीमा चौकी पर रोजाना दो सौ से तीन सौ तक संदिग्ध घुसपैठियों के पहुंचने की खबरें इस बात का प्रमाण हैं कि वर्षों से सीमा पार से अवैध घुसपैठ का संगठित खेल चलता रहा। गरीबी, रोजगार या इलाज के नाम पर भारत में दाखिल होकर हजारों लोग फर्जी पहचान बनाकर यहां बस गए।

कि बिना वैध दस्तावेज भारत में रहने का अधिकार किसी को नहीं दिया जाएगा। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने बेहद सख्त रुख अपनाते हुए राज्य के हर जिले में हिरासत केंद्र स्थापित करने का आदेश दिया है। अब तक पांच हजार से ज्यादा बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजा जा चुका है जबकि सैकड़ों लोग अभी भी हिरासत केंद्रों में रखे गए हैं। सरकार का कहना है कि यह अभियान पूरी तरह राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून व्यवस्था को ध्यान में रखकर चलाया जा रहा है। दरअसल भारत और बांग्लादेश के बीच चार हजार किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा लंबे समय से अवैध घुसपैठ, तस्करी और सीमा अपराधों की चुनौती झेलती रही है। पश्चिम बंगाल और असम जैसे सीमावर्ती राज्यों में जनसंख्या संतुलन तेजी से बदलने की चिंता वर्षों से उठती रही है। भारतीय जनता पार्टी लगातार इस मुद्दे को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ती रही है और अब सत्ता में आने के बाद पश्चिम बंगाल में निर्णायक कार्रवाई दिखाई दे रही है। उधर, बांग्लादेश की ओर से इस कार्रवाई पर आपत्ति जताई जा रही है। ढाका का कहना है कि किसी भी व्यक्ति को तय कूटनीतिक प्रक्रिया के बिना वापस नहीं भेजा जाना चाहिए। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने दावा किया है कि उसने कई बार भारतीय सीमा सुरक्षा बल की कथित पुशबैक कोशिशों को रोका है। सीमा के कई इलाकों में तनाव भी देखा गया है। लेकिन भारत का रुख पूरी तरह स्पष्ट है।

संपादकीय

गंगा फिर भी मैली

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी को हमें एक गंभीर चेतावनी के रूप में लेना होगा, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरूआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा की यह हालत करने के गुनहगार? विडंबना देखिये कि तमाम सख्ती के बावजूद सैकड़ों खुले नाले गंगा में गंदा पानी गिरा रहे हैं। तमाम उद्योगों का अपशिष्ट पानी अनेक जगह गंगा में गिराया जा रहा है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान ह्यनमामि गंगेह्ण शुरू किया गया था। बताया जाता है कि अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। सिर्फ सरकारी प्रयास काफी नहीं हैं। दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य श्रृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं- आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं। किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रघ्संहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं। जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सेहत से खिलवाड़ कब तक, खेत से थाली तक विष ही विष

मुकेश तिवारी

दूध हो या सब्जियां या फिर खाद्यान्न लोगों की सेहत के साथ हो रहा खिलवाड़ अब किसी से ढका छुपा नहीं है हाल की घटनाओं से यह बात भी सामने आ चुकी है कि नामी-गिरामी कंपनियां भी इस गोरखधंधे में बिना किसी हिचकिचाहट के शामिल है ,हैरानी की बात यह है कि इतना सब कुछ जग जाहिर होने के बाद हम अभी तक कोई ऐसा तंत्र विकसित नहीं कर पाए जिससे बच्चे से लेकर बूढ़े तक के स्वास्थ्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को रोका जा सके, निगरानी का अभाव और लाचार कानून मिलावटखोरों को सींकचों पीछे जाने से रोक रहे हैं । हरित क्रांति का मकसद देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है । इस दिशा में देश को अभूतपूर्व सफलता भी मिली लेकिन कब जहरीले पंजों ने खेती किसानी में घुसपैठ कर ली,पता नहीं चला हद तो तब हो गई जब जानबूझकर प्रदेश सरकारे इस ओर आंखें मूंदे रहीं हैरानी इस बात की है। इस गंभीर मामले को अभी तक हमारे राजनीतिक दल अपनी नीतियों का हिस्सा नहीं बना पाए मुनाफा कमाने की अंधी दौड़ ने किसानों को भी परंपरागत खेती से पीछे छोड़ दिया और बढ़ती आबादी की जरूरत और मुनाफाखोरी की हवस ने मिलावट खोरी की जड़े गहरी कर दी पिछले तीन दशकों में खेती-किसानी में आए बदलाव ने उत्पादन को बढ़ाया लेकिन इस बदलाव के भयानक दुष्परिणामों पर ध्यान नहीं दिया गया। बैल और मवेशियों की जगह अब ट्रैक्टर और दूसरे आधुनिकतम यंत्रों ने ले ली है । लिहाजा गोबर और घूरे की राख से बनी कंपोस्ट खाद अब खेतों में दिखाई नहीं देतीं। फसल कटाई के पश्चात उसके रखरखाव में कीटनाशकों का जमकर उपयोग हो रहा है। जो स्वास्थ्य के लिए तो हानिकारक है ही आसपास के वातावरण को भी दूषित कर रहा है। कड़वा सच तो यह है कि आज खतरा सिर्फ रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के बढ़ते प्रयोग से ही नहीं है बल्कि खाद्य पदार्थों में जिस तरह मिलावट खोरी का कारोबार तेजी से पनप रहा है वह मानवीय स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है । टमाटर गोभी और मूली, पालक जैसी सब्जियां पहले सिर्फ जाड़े के मौसम में ही बिकती थी। लेकिन अब वे मौसमी सब्जियां बारहों महीने धडल्ले से बिकने लगी हैं। महानगरों में इन सब्जियों की मांग अधिक है। क्योंकि अब लोगों के खानपान की शैली में तेजी से बदलाव आ रहा है। नई आर्थिक नीति के पश्चात देश में शहरी करण का तेजी के साथ विस्तार हुआ है। दिलचस्प तथ्य यह है कि शहरों में रह रहे लोगों की आमदनी बढ़ने का असर लोगों के रहन-सहन और खान-पान पर भी पड़ा है । वहीं यह कड़वा सच है बेमौसम फल और सब्जियां खाने की ललक ने रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को बेहद बढ़ावा दिया है । यहां ध्यान देने की बात यह है कि वेमौसमी फल और सब्जियों को उगाने में उर्वरक और कीटनाशक ज्यादा लगता है। यह तथ्य भी काफी दिलचस्प है कि दूध ,दही, पनीर फल और अनाज में भी आजकल जमकर मिलावट हो रही है। इस मामले में एक दिलचस्प तथ्य यह है कि मांसाहार हो या शाकाहार ऐसा कोई खाद्य पदार्थ नहीं है जो विषैले कीटनाशक और मिलावट से रहित हो बाजार में उपलब्ध आम , केला और पपीता जैसे फलों को कैल्शियम कार्बाइड की मदद से पकाया जाता है । खाद्य वस्तुओं में विषैले रसायनों के अतिरिक्त कई दूसरे किस्म की खतरनाक चीजों की मिलावट को चिकित्सक स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक मानते हैं। सूत्रों का कहना है कि फलों को चमकाने के लिए उन पर वेक्स भी लगाया जाता है । चिकित्सकों के मुताबिक वैक्स युक्त फलों का सेवन करने से डायरिया और कैंसर जैसी बीमारियां होती हैं। कृषि उत्पादों विशेषकर सब्जियों और डेयरी में ऑक्सीटॉसिन का बेहिचक होकर उपयोग हो रहा है। हैरानी इस बात पर है कि ऑक्सीटॉक्सिन का गलत ढंग से इस्तेमाल न हो इसलिए सरकार ने इसकी खुली बिक्री पर पाबंदी लगा रखी है । इसके बावजूद हिंदुस्तान भर में ऑक्सीटोक्सिन का उपयोग दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। गौरतलब है कि खाद्य वस्तुओं में मिलावट रोकने के लिए खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम 1954 और प्रिवेशन आफ फूड एडल्टरेशन एक्ट 1955 बनाया गया है । लेकिन इस एक्ट का ईमानदारी के साथ पालन नहीं हो रहा है। इन सब के बावजूद त्योहारों , शादी के सीजन में देश के प्रथक प्रथक भागों में कुंतल नकली मावा, पनीर, क्रीम,जप्त किया जाता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने कुछ माह पूर्व कृत्रिम और मिलावटी दूध के गोरखधंधे का खुलासा किया था।

मध्यप्रदेश में दूध की गुणवत्ता परखने के लिए भेजे गए हैपलोग्रुप के परिणाम बताते हैं कि पिछले तीन सालों में औसतन 13-16 फीसदी सैपल अचानक पाये गये।

प्राधिकरण ने अपनी रिपोर्ट सार्वजनिक करते हुए बताया था कि देश में बिकने वाला 68.5 प्रतिशत दूध मिलावटी है । अभी हाल ही में आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में मिलावटी दूध के सेवन से 16 लोगो की मौत हो गई,जबकि तीन लोग गभीर रुप से बीमार है।दूध में मिलावट के कारण हुई मौतों के पीछे दूध में एथिलीन ग्लाइकोल नाम का जहरीला पदार्थ मिलाया जाना वताया जा रहा है।खुले बाजार में उपलब्ध पीसे हरे धनिया का चटक हरा रंग देख कर ग्राहक आकर्षित होता है । लेकिन इस सच्चाई को जाने बगैर कि इसमें रंग धान की भूसी और घोड़े की लीद मिली हुई है। ऐसे मिलावटी धनिए को उपयोग में लेने से लीवर किडनी और तिल्ली काफी प्रभावित होती है इसी तरह आटे में भी तमाम सारी चीजों की मिलावट की जाती है। तुअर और चने की दालों में भी खेसारी मटर बटरे की मिलावट की जाती है। ग्राहकों को हानिकारक तत्वों की मिलावट का पता न चले इसलिए बड़े ही सुनियोजित ढंग से दालों पर पोलिस की जाती है। खेसारी दाल में एक खास तरह का रसायन पाया जाता है । इस दाल के इस्तेमाल से स्नायु तंत्र और गठिया से जुड़ी बीमारियां होती हैं।

दुनिया एक रंगमंच है और हम सब बस एक किरदार

ऋतुपर्ण दवे

वास्त्व में रंगमंच जीवंत कला को समझने.सम्मानित करने का एक अवसर होता है। विश्व रंगमंच दिवस की शुरूआत 1961 में अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान;आईटीआईद्ध द्वारा की गई और 27 मार्च 1962 को पेरिस में ष्थिएटर ऑफ नेशंसष सत्र के उद्घाटन के साथ मनाया गया। तभी से इस दिन को विश्वभर में विभिन्न कार्यक्रमोंए प्रस्तुतियोंए वाताओं और अन्य गतिविधियों के साथ मनाया जाने लगा। नाटक.अभिनय हर संस्कृति का अहम हिस्सा होते हैं। ये वैश्विक स्तर पर समाज और रंगमंच के गहरे प्रभाव की न केवल याद दिलाते हैं बल्कि रंगमंचीय कलात्मकता और रचनात्मकता का जश्न भी मनाते हैं। यह एक ऐसा अवसर और कला का प्रदर्शन है जिससे समाज में सामाजिकए सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी सामने आते हैं। दुनिया भर में इस मौके पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नाट्य कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसी कड़ी में सबसे खास विश्व रंगमंच दिवस के संदेश का प्रसार होता हैए जिसमें अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान के बुलावे पर वैश्विक हस्तियां रंगमंच और शांति की संस्कृति विषय पर अपने विचार साझा करती हैं। इस आयोजन की शुरूआत करते हुए पहला विश्व रंगमंच दिवस संदेश 1962 में जीन कोक्ट्यू जो प्रख्यात फ्रांसीसी लेखकए नाटककार और निर्देशक थेए उनके द्वारा लिखा गया।

हर वर्षए थिएटर समुदाय में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति को अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान द्वारा विश्व रंगमंच दिवस संदेश की रचना हेतु चुना जाता हैए जो ष्रंगमंच और शांति की संस्कृतिष यानी थिएटर एंड ए कल्चर ऑफ पीस की थीम पर आधारित होता है। रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह कल्पनाओं पर आधारित न होकर समाज में घटित घटनाओंए मानव भावनाओं और जीवन संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करता है। रंगमंच यानी थिएटर केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह अभिव्यक्ति का प्रभावी और सशक्त जरिया है जो इंसानी अनुभवों और भावनाओं की विविधता को दशार्ता है। इसके जरिए प्राचीन ग्रीक त्रासदियों से अब तक तमाम प्रस्तुतियों का मंचन कर लगातार रंगमंच निखरता रहा है। सच कहें तो पीढ़ियों और संस्कृतियों के दर्शकों के हृदय को यही तो छूता है! दरअसल यह अपनी कहानी कहने का भी मंच प्रदान करता है। अवसर कुछ ऐसा होता है जिसमें व्यक्ति जटिल से जटिल विषयों का अन्वेषण करए चिंतन के लिए बढ़ सकता है। परिवर्तन की प्रेरणा को साकार मूर्त रूप देने का भी यह अवसर होता है।

चाहे समाज में जागरूकता बढ़ाना हो या अंधविश्वास उजागर करनाए इन सारे महत्वपूर्ण विषयों में थिएटर की भूमिका अहम होती है। कला के जरिए प्रोत्साहन का इससे बेहतर अवसर और मंच की आवश्यक्ता को यह सिध्द करता है। कार्यशालाओंए प्रदर्शनों और चचाओं के जरिए एक दूसरे की भाषा से अनभिज्ञ दुनिया भर के लोग रंगमंच के जादू और इसकी परिवर्तनकारी क्षमता का जश्न मनाते एक साथ आकर भाषा न समझे लेकिनए भावनाओं को समझते हैं। सच कहें तो रंगमंच न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता हैए बल्कि आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भागीदार होता है। रोजगार सृजन से लेकर पर्यटन के आकर्षण और आर्थिक विकास को गति देने में रंगमंच उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावाए रंगमंच रचनात्मकए आलोचनात्मक सोच और सहानुभूति को बढ़ावा देता हैए जो व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक कौशल है। सांस्कृतिक आदान.प्रदान और संवाद को बढ़ावा देकरए रंगमंच विभिन्न पृष्ठभूमियों के व्यक्तियों के बीच दूरियों को कम करता है और समझ को बढ़ाता है। यह सहयोग और समन्वय भी प्रोत्साहित करता हैए जिससे समुदाय और अपनेपन की भावना विकसित होती है।

रंगमंच महज मनोरंजन का साधन न होकर समाज का आईना भी है। जिसमें हमेंए हमारी छवि साफ दिखती है। इसके जरिए समाज की हकीकत भी सामने आती हैं। मंच पर प्रस्तुत सारी कहानियांए संवाद और अभिनय कहीं न कहीं हमारे वास्तविक जीवन की किसी न किसी सच्चाई को प्रतिबिंबित करते हैं। इसका जरिया कुछ भी हो सकता है। चाहे ग्रीक ट्रैजेडी होए कॉमेडी या फिर लोकनाट्य या फिर हमारा मौजूदा थिएटर सबका मकसद एक ही होता है कि किस प्रकार समाज को जागरूक करेंए कैसे नई दिशा और दृष्टि देकरए सुधार ला सकें।

भारतीय रंगमंच के संदर्भ में देखें तो इसका बहुत पुराना इतिहास है जो वैदिक काल से जुड़ा हुआ है। इसे भरतमुनि के ष्नाट्य शास्त्रष द्वारा औपचारिक रूप दिया गया जो कि नाटक पर एक जरूरी ग्रन्थ के रूप में दस्तावेज है। यह ईसा पूर्व 2000 और चौथी शताब्दी के बीच लिखा गया था। यह कहानी कहने की शैलियों से विकसित हुआ जिसमें सस्वर पाठए गायन और नृत्य शामिल थे। शास्त्रीय संस्कृत नाटकए पारंपरिक स्थानीय रूप और समकालीन रंगमंच शामिल हैं। भारतीय नाट्यशास्त्र नाटक के विभिन्न रूपों को न केवल वगीर्कृत करता है बल्कि रंगमंच में अभिनेताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियों को भी रेखांकित करता है। पारंपरिक भारतीय रंगमंच नृत्य और नाटक को मिलाते हुए प्रायः हिंदू ग्रंथों में निहित कहानियों को भी प्रदर्शित करते हैं। कथकली विशेष उदाहरण है जिसमें जटिल वेशभूषा और श्रृंगार की विशेषताओं से युक्त अत्यधिक शैलीगत प्रदर्शन होता है।

भारत के संदर्भ में कई व्यावसायिक थियेटर ग्रुप अच्छा काम कर रहे हैं। इनसे जुड़कर अच्छे रोजगार की संभावनाएं भी बनती हैं और रंगमंच में पहचान अलग। रंगमंचीय अभिनयए निर्देशनए परिकल्पना और अन्य कई विधाएं जैसे कोरियोग्राफरए आर्ट डायरेक्टरए स्क्रिप्ट लेखकए सेट डिजाइनरए लाइटए साउंड और तकनीक आदि हमारी कला और संस्कृति को जीवंत रखते हुए रोजगार और पहचान के भी बेहतरीन अवसर देती हैं। महान अंग्रेजी नाटककारए कवि अभिनेता रहे विलियम शेक्सपियर को भला कौन नहीं जानता होगा! उनके लिखे दार्शनिक शब्द आज भी यथार्थ के धरातल पर वैसे ही प्रभावी हैंए जितना उन्होंने अपने जीवन काल 1564.1616 के दौरान लिखे थे। ऐसी ही अनेकों रचनाओं ने उन्हें महान नाटककार बनाया। शेक्सपियर आज भी थिएटर के जाने.मानेए प्रभावी व्यक्तित्व हैं। उनके लिखे शब्द श्सारा संसार एक रंगमंच है जिसमें सभी पुरुष.महिलाएं महज कलाकार हैं।श शेक्सपियर ने हैमलेटए रोमियो.जूलियटए मैकबेथ जैसे 38 से अधिक नाटक और कई सॉनेट लिखे। जीवन वास्तव में एक दार्शनिक सत्यए तथ्य और रंगमंच है जिसमें बाल अवस्था से वृध्दावस्था और मृत्यु तक हमारे ढ़ेरों किरदार होते हैं। कोई नायकए कोई खलनायकए कोई विदूषकए तो कोई विचारक होता है। हम अपने जीवन के अलग.अलग चरणों में भिन्न.भिन्न भूमिकाएं निभाते हैं।

इस वर्ष 64वां विश्व रंगमंच दिवस शुक्रवार 25.27 मार्च तक लक्जमबर्ग में हो रहा है। विषय ष्रंगमंच और शांति की संस्कृतिष हैए जो विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवादए सहानुभूति और समझ को बढ़ावा देने में जीवंत प्रदर्शन की भूमिका पर जोर देता है। इस संदेश को जाने.माने अमेरिकी अभिनेता विलेम डेफो ने लिखा हैए जिसमें रंगमंच के साझा मानवीय अनुभवए चिंतन और नैतिक जुड़ाव को प्रस्तुत किया गया है। सच में रंगमंच हमें अपने जीवन में नई सीखए समझ के साथ हर दिन जीने की प्रेरणा देता है। हमें थिएटर जाना चाहिएए लोगों को प्रेरित भी करना चाहिए। थिएटर के मर्मए धर्म और सत्य को समझना.स्वीकारना चाहिए। जिंदगी में अपने किरदार को पहचानना और जरूरत पड़ने पर बदलना भी चाहिए शायद यही सच्चा थिएटर होगा।

धर्म, जाति और धर्मांतरणः सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है।

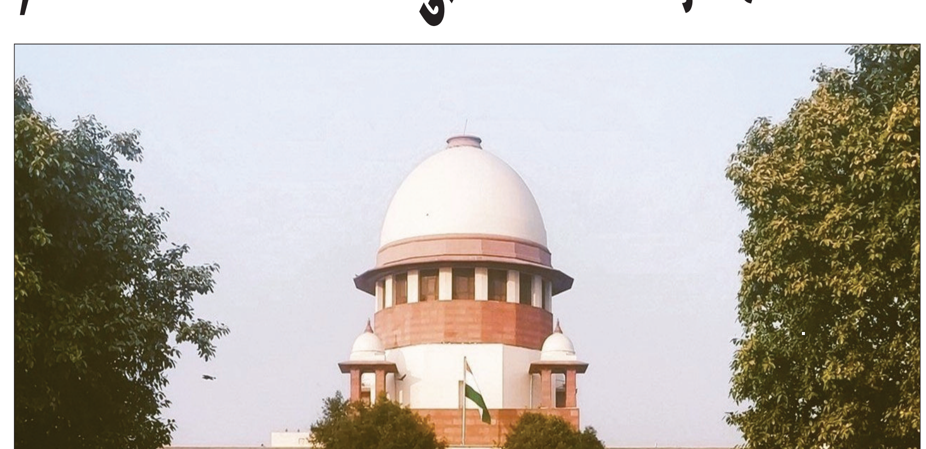

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निमार्ताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था।

जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं।

धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी।

जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है।

आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना।

आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं। इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है। इसलिए यह कहना उचित होगा कि यह निर्णय केवल एक न्यायालय का फैसला नहीं, बल्कि नए भारत, सशक्त भारत और संगठित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए।

उझारी में शेख दाऊद मियां का उर्स अपने शबाब पर

हाई कोर्ट के आदेश पर मिली 15 दिन की परमिशन

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- हजरत शेख दाऊद बंदगी रहमतुल्लाह का उर्स अपने शबाब पर है। भारी संख्या में जायरीन पहुंच रहे हैं तथा दरगाह पर तबर्रुक एवं चादर पोशी करके मन्नते मांग रहे हैं। हाई कोर्ट के आदेश पर उर्स की परमिशन 15 दिन के लिए मिल गई है। जनपद अमरोहा के कस्बा उझारी में देश के प्रसिद्ध सूफी संत हजरत शेख दाऊद मियां रह० की दरगाह स्थित है। जहां पर प्रतिवर्ष अरबी साल के 12वें महीने जिल्हिज्जाह की 16 तारीख से उर्स का प्रारंभ होता है। उर्स में दिन के समय विशाल दाऊदिया दंगल आयोजित किया जाता है तथा रात्रि में कव्वाली का प्रोग्राम चलता है। बीती रात पीलीभीत से आए मशहूर फनकार अरशद कामली ने कव्वाली का प्रोग्राम पेश किया। उन्होंने कहा- खुदा का शुक्र शहे मशरकैन वाले हैं, यह जितने आए हैं सारे हुसैन वाले हैं।। उन्होंने आगे पढ़ते हुए कहा कि- अली व फातिमा के दिल का चैन जिंदा है, यजीद मर गया मेरा हुसैन जिंदा है।कव्वाली पर श्रोता झूम रहे थे तथा तालियां बजाकर कव्वालों की हौसला अफजाई कर रहे थे। उर्स में अकीदतमंदों की भारी भीड़ उमड़ रही है। लोग दरगाह पर तबर्रुक एवं चादर चढ़ाकर मन्नतें मांग रहे हैं। कहा जाता है कि हजरत शेख दाऊद बंदगी रह० की दरगाह पर सच्चे मन से मांगी गई मुराद अवश्य ही पूरी होती है। उर्स में खेल खिलौने एवं हिंडोलों में लोग अपना मनोरंजन कर रहे हैं, तो महिलाएं मीना बाजार से अपनी आवश्यकताओं की वस्तुएं खरीद रही हैं। चारों ओर हर्ष और उल्लास का माहौल है। उर्स के समय अवधि को लेकर विवाद चल रहा था, जिस पर हाई कोर्ट लखनऊ ने आदेश जारी किया और उपजिलाधिकारी हसनपुर द्वारा उर्स को पुनः 15 दिन की अनुमति प्रदान कर दी गई है।

जिससे हजरत शेख दाऊद मियां बंदगी रह० के चाहने वालों में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर मुख्य रूप से हकीम चमन, फहीमुद्दीन महल, इफ्तार उल हसन, मौ० आदिल, मौ० आमिर, मौ० तबरेज, हाजी कल्लन, हाजी बब्बन, अलाउद्दीन सैफी, भूरे मिस्त्री, शहरोज मुख्तार, कोकब इक्तदार, मुस्तकीम अल्वी, सद्दन अली, अबसार अहमद, मास्टर असद, तारिक महमूद, नासिर अली एड०, इस्तखार ठेकेदार, मास्टर शबाहत अली, अदनान महल, वहाब अहमद आदि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ऑपरेशन दहन के अंतर्गत अमरोहा पुलिस ने 15.5 करोड़ का नशा जलाया

2002 किलो मादक पदार्थ का विनिष्टीकरण, 47 केसों का माल नष्ट

अमरोहा (सब का सपना):- मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत अमरोहा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। ऑपरेशन दहन के अंतर्गत 15.5 करोड़ रुपये मूल्य के 2002.352 किलोग्राम मादक पदार्थों का विनिष्टीकरण कराया गया। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थानों पर पंजीकृत 47 अभियोगों से संबंधित मादक पदार्थ नष्ट किए गए। इनमें अवैध डोडा, गांजा, चरस, हेरोइन, नशीली दवाइयां और पाउडर शामिल थे। न्यायालयीय आदेशों के अनुपालन में 16 अप्रैल 2026, 04 जून 2026 एवं 05 जून 2026 को गठित समिति की मौजूदगी में यह कार्रवाई हुई। सभी मादक पदार्थों को सुशीला बायोमेडिकल वेस्ट प्लांट प्राइवेट लिमिटेड, फतेहपुर विश्नोई, जनपद मुरादाबाद में सुरक्षित और विधिक प्रक्रिया के तहत नष्ट कराया गया।

विनिष्ट किए गए मादक पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 15.5 करोड़ रुपये है। यह कार्रवाई नशा तस्करों और अवैध कारोबार में लगे अपराधियों के खिलाफ अमरोहा पुलिस की सख्त कार्यवाही को दशार्ती है। पुलिस ने साफ किया है कि जनपद को नशामुक्त और अपराधमुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध व्यापार में लिप्त लोगों के खिलाफ आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

गजरौला में अधिवक्ता डॉ रविंद्र शुक्ला ने की प्रेसवार्ता

कहा: न्यायालय में विचाराधीन मामलों में मैं वादी और गवाह हूं मुलजिम नहीं

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला निवासी अधिवक्ता डॉ रवींद्र शुक्ला ने एक फिर से पत्रकारों के साथ प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने वहां उपस्थित पत्रकारों से बातचीत करते हुए विपक्षी भाजपा नेता एवं उसके कथित गिरोह पर आरोप लगाते हुए कहा कि गजरौला क्षेत्र निवासी एक भाजपा नेता ने उसके परिचित एक बदमाश गिरोह को उनकी हत्या के लिए 10 लख रुपए की सुपारी दी है। उन्होंने भाजपा नेता और उसके गिरोह पर उनकी हत्या करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। इसके अलावा उन्होंने पत्रकारों को बताया कि भाजपा नेता द्वारा जो मेरे ऊपर हिरण तस्करी, गौतस्करी एवं भूमि पर कब्जा करने का जो आरोप लगाया गया है वह निराधार है हालांकि इन मामलों से संबंधित मुकदमे न्यायालय में विचारधीन है लेकिन उन मुकदमों में मैं वादी और गवाह के रूप में हूं ना कि मुलजिम। डॉ रवींद्र शुक्ला ने कहा कि विपक्षी लोग गोली और भय की भाषा बोलते हैं और मैं संविधान और कानून की भाषा बोलता हूं ।उन्होंने सरकार शासन- प्रशासन और पुलिस प्रशासन से उक्त लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। प्रेस वार्ता के दौरान डॉ रवींद्र शुक्ला ने उक्त लोगों के खिलाफ भू माफिया, हिस्ट्रीशीटर और कथित गिरोह के खिलाफ कई आपराधिक मामलों का जिक्र किया है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए छवि खराब करने और जनता को गुमराह करने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने अपने ऊपर लगे मुकदमे के आरोपों को झूठा बताते हुए कहा कि मेरे खिलाफ दर्ज सभी मामले जांच और न्यायालय में झूठे पाए गए हैं। इस दौरान उन्होंने भाजपा नेता के कथित राजनीतिक संरक्षण का भी उल्लेख किया है। अधिवक्ता डॉ रविंद्र शुक्ला ने योगी सरकार और पुलिस प्रशासन पर भरोसा जताते हुए कहा कि अपराधी और भू माफिया की ना कोई जाति होती है और ना ही धर्म उनका मकसद सिर्फ भय पैदा करना होता है उन्होंने कहा कि अगर प्रशासन ने समय रहते कोई कार्यवाही नहीं की तो मेरे साथ कभी भी बड़ी घटना हो सकती है।

उझारी में संदिग्ध हालात में महिला की मौत, खून से लथपथ मिला 40 वर्षीय महिला का शव

सैदनंगली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना सैद नंगली क्षेत्र में एक 40 वर्षीय महिला का शव संदिग्ध हालातो में पड़ा हुआ मिला जो खून से लथपथ था।इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही संबंधित थाना क्षेत्र की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसने घटनास्थल का मुआयना किया और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी। बता दें कि मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक, घटना सैदनगली थाना क्षेत्र के उझारी कस्बा की है, जहां महिला का शव उसके किराए के मकान में खून से लथपथ हालत में मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।मृतका की पहचान संभल जनपद निवासी आयशा अंसारी (40) पत्नी स्वर्गीय इदरीस के रूप में हुई है, जो अपने चार बच्चों के साथ उझारी में बस स्टैंड के पास किराए के मकान में रह रही थी। पांच साल से पहले महिला के पति इदरीस की बीमारी की वजह से मौत हो गई थी, उसके बाद से ही वह अपने बच्चों के साथ यहां आ कर रह रही थी। बताया जा रहा है कि आयशा का निकाह बुधवार को संभल निवासी परवेज से होना था उससे पहले यह वारदात हो गई। परिजनों के अनुसार मंगलवार शाम परवेज संभल से उझारी स्थित महिला के घर पहुंचा था। रात में आयशा और परवेज एक ही चटाई पर सोए थे, जबकि बच्चे बाहर सो रहे थे। बुधवार सुबह जब बच्चे जागे तो उन्होंने अपनी मां का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा देखा, जिसके बाद उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए।

इस मामले में अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने बताया है कि सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए. फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

रजबपुर नेशनल हाईवे 9 पर कार व बाइक की टक्कर में युवक घायल, चालक फरार

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर नेशनल हाईवे 9 पर मंगलवार की देर रात एक कार और बाइक की जोरदार टक्कर हो गई जिसमें बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन आनन में घायल युवक को राहगीरों ने अस्पताल में भर्ती कराया। बता दें कि यह घटना रजबपुर थाना क्षेत्र के खाता चौराहे के पास NH9 पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक मोटरसाइकिल मुरादाबाद से दिल्ली की ओर जा रही थी। जैसे ही वह खाता चौराहे के निकट हाईवे पर पहुंची, पीछे से आई एक अज्ञात कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार युवक और युवती दूर जा गिरे।हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। बाइक पर सवार युवक घायल हो गया, जबकि युवती के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं दी गई है। घटना स्थल पर स्थानीय लोगों और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई।राहगीरों ने घायल युवक को एक निजी कार की मदद से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया और प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार, इस घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को तत्काल नहीं दी गई थी।हालांकि, रजबपुर के थानाध्यक्ष विकास सहरावत ने प्रकरण संज्ञान में न होने की बात कही है।

परिवार परामर्श केंद्र में 5 बिछड़े परिवारों का हुआ पुनर्मिलन

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत के निर्देशन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक बुधवार को गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी, चन्दौसी में आयोजित की गई। बैठक परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी एवं थानाध्यक्ष डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में संपन्न हुई। बैठक में पति-पत्नी के मध्य उत्पन्न पारिवारिक विवादों को आपसी सुलह और समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। थानाध्यक्ष डॉ. रुकम पाल सिंह ने काउंसलरों के सहयोग से दोनों पक्षों की समस्याओं को सुनकर उन्हें समझाने और पारिवारिक रिश्तों को बचाने का प्रयास किया। बैठक के दौरान कुल 25 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई। इनमें से 8 मामलों का निस्तारण किया गया, जबकि 5 परिवारों को आपसी मतभेद भुलाकर पुनः साथ रहने के लिए राजी कर उनका पुनर्मिलन कराया गया। एक पत्रावली में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई। वहीं, दो पत्रावलियों को आवेदक द्वारा बल न दिए जाने तथा अन्य कारणों से बंद कर दिया गया।

परिवार परामर्श केंद्र के माध्यम से टूटते पारिवारिक रिश्तों को बचाने और आपसी संवाद स्थापित करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे कई परिवारों को नई शुरूआत का अवसर मिल रहा है। इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, उपनिरीक्षक महेश गंगवार, मुख्य आरक्षी मनोहर सिंह, रुचि सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंडियन ब्लड डोनर्स ग्रुप की बैठक में रक्तदान अभियान को और मजबूत बनाने पर हुई चर्चा

संभल(सब का सपना):- इंडियन ब्लड डोनर्स ग्रुप की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन संभल फ्यूचर एकेडमी, फतेहउल्लाह सराय, हसनपुर रोड पर किया गया। बैठक में ग्रुप के सम्मानित सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और रक्तदान अभियान को और अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया। बैठक की अध्यक्षता प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ, युवा समाजसेवी, संभल फ्यूचर एकेडमी के डायरेक्टर एवं डीएसआर हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. शाने रब ने की, जबकि संचालन समाजसेवी मशकूर मंसूरी ने किया।

अपने संबोधन में डॉ. शाने रब ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। किसी जरूरतमंद मरीज को समय पर रक्त उपलब्ध कराना जीवन बचाने के समान है। उन्होंने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंदों तक समय पर रक्त पहुंचाना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

इंडियन ब्लड डोनर्स ग्रुप के संस्थापक एवं समाजसेवी नवेद शान ने आगामी रक्तदान शिविरों के आयोजन, नए सदस्यों को संगठन से जोड़ने, आपातकालीन रक्त सहायता व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि संगठन लगातार जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है और भविष्य में भी यह अभियान और अधिक मजबूती के साथ जारी रहेगा।

बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि इंडियन ब्लड डोनर्स ग्रुप संभल ही नहीं, बल्कि अन्य जिलों और राज्यों में भी जरूरतमंद मरीजों की सहायता कर समाजसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। सभी सदस्यों ने संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने तथा हर जरूरतमंद की मदद के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया।

अंत में संस्थापक नवेद शान ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की एकता, सेवा भावना और सामाजिक प्रतिबद्धता को बनाए रखने का आह्वान किया।

पुलिस ने 3 घंटे में लापता बालक को सकुशल बरामद कर मां को सौंपा, परिजनों ने जताया आभार

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में जनपद में अपराधों की रोकथाम, मिशन शक्ति अभियान एवं ऑपरेशन मुस्कान के प्रभावी क्रियान्वयन के क्रम में चन्दौसी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक गुमशुदा बालक को मात्र तीन घंटे में सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार मिथलेश पत्नी पंकज निवासी ग्राम जहांनपुरा थाना रजपुरा ने बुधवार को सूचना दी कि उनका 11 वर्षीय पुत्र हर्षित बिना बताए घर से कहीं चला गया है। सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी चन्दौसी दीपक कुमार के पर्यवेक्षण में थाना चन्दौसी पुलिस तत्काल सक्रिय हो गई। पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और बालक की तलाश के लिए लगातार प्रयास किए। अथक मेहनत और त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप पुलिस ने मात्र तीन घंटे के भीतर हर्षित को सकुशल बरामद कर लिया। इसके बाद बालक को उसकी मां मिथलेश के सुपुर्द कर दिया गया। अपने पुत्र को सकुशल पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस की त्वरित एवं सराहनीय कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा बच्चों की तलाश और उन्हें सुरक्षित परिजनों तक पहुंचाने के लिए जनपद पुलिस पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य कर रही है।

जनकल्याण सेवा समिति ने पुरुषोत्तम मास में कराया भंडारा

प्रभु इच्छा तक चला अन्नदान, दर्जनों महिलाओं ने दिया सहयोग

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर जनकल्याण सेवा समिति चंदौसी ने माल गोदाम रोड स्थित मोहन नक्षत्र के आवास पर भव्य भंडारे का आयोजन किया। बुधवार शाम 4:00 बजे से प्रभु इच्छा तक चले इस भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।पुरुषोत्तम मास में भंडारा आयोजित करना या उसमें सहयोग देना अत्यंत धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व रखता है। इसे अन्नदान का सर्वोत्तम रूप माना जाता है। इसी भाव को ध्यान में रखते हुए समिति ने यह पुण्य कार्य किया। समिति ने बताया कि पुरुषोत्तम मास में सेवा और दान का विशेष फल मिलता है। आगे भी ऐसे आयोजन जारी रहेंगे। भंडारे में अध्यक्ष कल्पना वार्ष्णेय, सचिव भावना गुप्ता, उपाध्यक्ष आशा गोस्वामी, कोषाध्यक्ष मीनू फैंसी के साथ पूनम वार्ष्णेय, पूर्णिमा, सोनी रस्तोगी, सीमा फैंसी, कांता अदलखा, रेखा रस्तोगी, अंशू वार्ष्णेय, राजेश्वरी, रचना, शालिनी शर्मा, सीमा सिंह, अनामिका सिंह, आभा रानी, रिनी, सारिका, भावना सिंह, रजनी, अलका, दिनेश चंद्र गुप्ता और मोहन नक्षत्र की सहयोग व सहभागिता रही।

पुलिस भर्ती परीक्षा के अंतिम दिन डीएम-एसपी ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती लिखित परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को परीक्षा के अंतिम दिन द्वितीय पाली में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गौरतलब है कि यह लिखित परीक्षा 8, 9 एवं 10 जून को प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित की जा रही है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने आचार्य मुक्तेश हकीम रईस सरस्वती इंटर कॉलेज, एस.बी.एस.जे. इंटर कॉलेज तथा हिन्द इंटर कॉलेज, संभल का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी मॉनिटरिंग, अभ्यर्थियों की प्रवेश एवं जांच प्रक्रिया, पेयजल व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाओं को संतोषजनक पाया तथा निर्देशित किया कि परीक्षा प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर की विभिन्न समस्याओं को लेकर श्री श्याम मित्र मंडल ने पालिकाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका अध्यक्ष दीप्ति मित्तल को शहर की विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सीवर पाइपलाइन ओवरफ्लो होने, वैद्यजी वाली गली से श्री गोपाल धाम आश्रम तक सड़क धंसने तथा मनकामेश्वर मंदिर से शनिदेव मंदिर और भूतेश्वर मंदिर से वाल्मीकि चौक तक क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की गई। मंडल पदाधिकारियों ने कहा कि खराब सड़कों के कारण आए दिन राहगीरों और रिक्शा चालकों को दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ता है। इस दौरान नगर प्रभारी विजय कुमार गुप्ता, सौरभ गोयल, राधेश्याम, अर्पित गोयल, रामकुमार, पारस, हरीश कुमार, गौरव शर्मा, कंचन, नीलम गोस्वामी, ओमप्रकाश एडवोकेट, मनीष अग्रवाल, राकेश शर्मा, कुशल अग्रवाल, राहुल, सतीश, नमन कुमार, रजनी, मोहित सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस भर्ती परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों और परिजनों को बांटा शरबत, खिचड़ी और ठंडा पानी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जहां एक ओर भीषण गर्मी लोगों को बेहाल कर रही है, वहीं बहजोई के मोहल्ला नरायन टोला के युवाओं ने सेवा और मानवता की ऐसी मिसाल पेश की, जिसकी हर ओर सराहना हो रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा देने के लिए अन्य जनपदों से आए परीक्षार्थियों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए युवाओं ने निःशुल्क शरबत, भोजन और ठंडे पेयजल की व्यवस्था कर सामाजिक सरोकार का परिचय दिया। बुधवार को हीरा देवी तोताराम कन्या विद्यालय के समीप आयोजित सेवा शिविर में परीक्षा केंद्र पर पहुंचे अभ्यर्थियों एवं उनके साथ आए परिजनों को मीठा शरबत पिलाया गया। साथ ही खाने के लिए खिचड़ी का भोग वितरित किया गया और भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए ठंडे जल की भी समुचित व्यवस्था की गई। सेवा कार्य में जुटे युवाओं ने बताया कि बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों और उनके परिजनों को गर्मी के कारण काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी को देखते हुए यह सेवा अभियान चलाया गया, ताकि उन्हें कुछ राहत मिल सके।

इस सराहनीय पहल को सफल बनाने में जगत कठेरिया, यश नंदन, अमित मोदी, उमंग गुरुजी, अभिषेक, अश्वनी, निर्भय, कन्नू सहित अनेक युवाओं ने सक्रिय सहयोग किया। स्थानीय लोगों ने युवाओं के इस सेवा भाव की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया।

बाल रोग विशेषज्ञ व एनआईसीयू की मांग, सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

खानपुर/बुलन्दशहर (सब का सपना):- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खानपुर में बाल रोग विशेषज्ञ और नवजात गहन चिकित्सा वार्ड (एनआईसीयू) की कमी को लेकर भाजपा नेता मो. सुलेमान के नेतृत्व में स्थानीय नागरिकों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अस्पताल में स्थायी बाल रोग विशेषज्ञ की तैनाती और एनआईसीयू की स्थापना की मांग की गई। ग्रामीणों का कहना है कि सुविधाओं के अभाव में गंभीर रूप से बीमार नवजातों को मेरठ, दिल्ली और बुलंदशहर ले जाना पड़ता है, जिससे गरीब परिवारों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस दौरान सब्बू चौधरी, इंजीनियर इजहार सैफी, हाजी इरफान, डॉ. सलमान सहित कई लोग मौजूद रहे।

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में बुलन्दशहर पुलिस मेरठ जोन में प्रथम, प्रदेश में सातवें स्थान पर

बुलन्दशहर (सब का सपना):- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में बुलन्दशहर पुलिस ने मुख्यमंत्री (सीएम) डैशबोर्ड की मई माह की रैंकिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मेरठ जोन में पहला तथा प्रदेश स्तर पर सातवां स्थान हासिल किया है।

शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित मॉनिटरिंग और समयबद्ध कार्रवाई के चलते यह उपलब्धि प्राप्त हुई। एसएसपी ने इस सफलता पर सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की सराहना करते हुए भविष्य में भी जनसेवा, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

बच्चों के विवाद ने लिया उग्र रूप, शिकायत करने गए युवक को पीटा

गंभीर चोटें आने पर अस्पताल में कराया गया भर्ती

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के जलालाबाद चौकी क्षेत्र के मोहल्ला गुलिस्तां में बच्चों के विवाद ने मंगलवार देर रात बड़ा रूप ले लिया। बच्चों के बीच हुए झगड़े की शिकायत करने गए एक युवक को दूसरे पक्ष के लोगों ने कथित रूप से घर में घेरकर पीट दिया। मारपीट में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार सोमवार को मोहल्ले में खेलते समय दो बच्चों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हो गई थी। उस समय स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत करा दिया और दोनों बच्चों को उनके घर भेज दिया। बाद में बच्चों ने अपने-अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी। बताया जाता है कि मंगलवार देर रात एक बार फिर दोनों पक्षों के बच्चों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि यूनुस नामक युवक दूसरे पक्ष के घर शिकायत करने पहुंचा था। इसी दौरान वहां मौजूद लोगों ने उसे घेर लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। हमले में यूनुस गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके शरीर पर कई चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उसका उपचार जारी है। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी पुलिस को मिल गई है। घटना की जांच की जा रही है तथा तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आरपीएफ ने चलाया चेकिंग अभियान

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- खुर्जा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गई। पुलिस भर्ती में आए अभ्यर्थियों से टिकट लेने की अपील की गई ' रेलवे सुरक्षा बल के खुर्जा जंक्शन थाना प्रभारी नंदलाल मीणा ने बताया कि पुलिस भर्ती परीक्षा देने आए अभ्यर्थी और उनके अभिभावक स्टेशन पर आ रहे थे। जिससे स्टेशन पर सामान्य दिनों की अपेक्षा भीड़ अधिक रही। इस स्थिति को देखते हुए सभी प्लेटफार्म पर जीआरपी प्रभारी अरविंद कुमार के साथ मिलकर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभ्यर्थियों से टिकट लेकर ट्रेन में सफर करने की अपील की गई। स्टेशन पर भीड़ के चलते और अभ्यर्थियों की सुरक्षा के लिए संदिग्ध लोगों की जांच भी की गई।

पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को मिलेगा नि:शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी जय प्रकाश यादव ने बताया कि पिछड़ा वर्ग के इंटरमीडिएट उत्तीर्ण शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए निःशुल्क ओ-लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण हेतु 16 जून से 10 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पात्र अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट पर आवेदन कर 10 जुलाई सायं 5 बजे तक आवेदन की प्रति एवं आवश्यक अभिलेख विकास भवन स्थित जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य कर रहे प्रधानमंत्री मोदी, 12 वर्षों में बदली देश की तस्वीर:- विकास चौहान

बुलन्दशहर (सब का सपना):- केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा जिला इकाई द्वारा डीएवी कॉलेज के समीप स्थित नगर कार्यालय पर जिला अध्यक्ष विकास चौहान के नेतृत्व में विशेष हवन-पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं राष्ट्र की समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई। जिला अध्यक्ष विकास चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, आधारभूत संरचना, आत्मनिर्भरता, डिजिटल क्रांति और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता प्रतिबद्ध है।

जिला मीडिया प्रभारी अभिनव वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में जिला महामंत्री संतोष वाल्मीकि, मंडल अध्यक्ष भीष्म सिसोदिया, बिल्लू पंडित, हितेश गर्ग, कुलदीप चौधरी, गौरव मित्तल, दामिनी गौड़ सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कमेले के निकट एक गोदाम परिसर में दर्जन भर से अधिक पशुओं के मिले अवशेष

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर के मुंडाखेड़ा मार्ग स्थित पुराने कमेले के निकट एक गोदाम परिसर बना हुआ है ' जिसमें पशुओं के अवशेष होने की जानकारी तहसील प्रशासन और नगर पालिका की टीम को हुई। जानकारी होने पर नायब तहसीलदार पीयूष कुमार नगर पालिका के सफाई इंस्पेक्टर रोबिन कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंच गए, जहां उन्होंने जाकर देखा तो उस गोदाम परिसर में दर्जनों पशुओं के अवशेष पड़े हुए थे, लेकिन मौके पर उन्हें कोई नहीं मिला। इसके बाद टीम ने जांच की तो पता चला कि अलग-अलग स्थान से मृत पशुओं के अवशेष लाकर यहां एकत्र किए गए थे। यहां से अवशेषों को अलग-अलग करके निर्यात करने की बात भी सामने आयी है। फिलहाल नगर पालिका की टीम यह जांच कर रही है कि गोदाम किसकी संपत्ति पर है। इस संबंध में एसडीएम प्रतीक्षा पांडे का कहना है कि सूचना पर टीम को भेज कर जांच कराई गई है। उसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ग्रामीण ने किया आरक्षी भर्ती परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

बुलन्दशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश आरक्षी भर्ती परीक्षा-2026 को सकुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अंतरिक्ष जैन ने जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था एवं कानून-व्यवस्था का जायजा लेते हुए परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की प्रवेश व्यवस्था, चेकिंग प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी, ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल की सतर्कता तथा यातायात प्रबंधन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने संबंधित अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सभी केंद्रों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

किसान सभा में मृदा परीक्षण और संतुलित उर्वरक उपयोग की दी जानकारी

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- कृषक भारती सेवा केंद्र (केबीएसके) गुलावठी के ग्राम चन्दन की मड़ैया में किसान सभा एवं मृदा परीक्षण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रगतिशील किसान किरन सिंह ने की, जबकि संचालन केबीएसके प्रभारी कपिल सिवाल ने किया। कार्यक्रम में किसानों को उर्वरकों की उपलब्धता, मृदा परीक्षण के महत्व तथा कृभको द्वारा निःशुल्क मिट्टी जांच की सुविधा की जानकारी दी गई। वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रतिनिधि नरेन्द्र सिंह ने किसानों से फार्मर रजिस्ट्री कराने और फसलों में संतुलित उर्वरकों के प्रयोग का आह्वान किया। साथ ही कृभको के विभिन्न उत्पादों के लाभ एवं उपयोग की विधि भी बताई गई। कार्यक्रम में गौरव तेवतिया, सुंदर सिंह, डिगराज सिंह, लीलू तेवतिया, दिनेश तेवतिया, राहुल तेवतिया समेत करीब 50 किसान मौजूद रहे।

हसनपुर: मांस लदी आर्टिका मामले में दो पर केस, किसान संघ ने जताया विरोध

आरोप: पुलिस ने बचाया पूरा गैंग, आज 11 बजे SDM ऑफिस पर धरना

हसनपुर (सब का सपना):- भदौरा गांव के जंगल में मिली मांस लदी लावारिस आर्टिका गाड़ी के मामले में सिर्फ कार स्वामी और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने से भारतीय किसान संघ ने कड़ी नाराजगी जताई है। संघ का आरोप है कि पुलिस ने जानबूझकर पूरे गैंग पर कार्रवाई नहीं की। मंगलवार सुबह सैदनगली पुलिस को भदौरा गांव के जंगल में मांस लदी लावारिस आर्टिका मिली। पुलिस ने गाड़ी थाने ले जाकर एक नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। प्रत्यक्षदर्शी किसान के मुताबिक यही गाड़ी फंसने से 20 मिनट पहले बिना लाइट जलाए तेज रफ्तार से जंगल में गई थी। 20 मिनट बाद वापस आते समय गीले खेत में फंस गई। किसान का कहना है कि मांस रखने वाला गैंग पहले से जंगल में मौजूद था और गाड़ी आते ही उसमें मांस लाद दिया गया। सिर्फ दो लोगों पर कार्रवाई से क्षेत्रवासी भड़के हुए हैं। उनका कहना है कि शेष सक्रिय अपराधी बच निकले। इसी मांग को लेकर ग्राम खरसौली में भारतीय किसान संघ ने प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा ने बुधवार को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने कहा कि पूरे गैंग का खुलासा कर कार्रवाई नहीं हुई तो गुरुवार आज 11 बजे से एसडीएम हसनपुर कार्यालय/सीओ हसनपुर कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन होगा। इस दौरान सुनील कुमार सैनी, कृष्ण कुमार शर्मा, चंद्रपाल सैनी, बुद्धप्रकाश, गजेंद्र सिंह, सोमपाल सिंह, परम सिंह, भरतराम, संजय सिंह, जसवीर सिंह, रवि कुमार आदि मौजूद रहे।

भगवानपुर गंगा में डूबे दो मे से एक युवक का शव बरामद ,दूसरे की तलाश जारी

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना) जनपद के भगवानपुर गंगा घाट पर अमरोहा जनपद के थाना हसनपुर के गांव ढाके की मिल्क से लगभग 5 से 7 युवक गंगा घाट पर नहाने के लिए आये थे।नहाते समय सातों युवक गहरे जल में चले गए, जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक दो युवक गंगा में डूब चुके थे, हालांकि पांचो युवकों ने उनको बचाने की भरपूर कोशिश की लेकिन वह गहरे पानी में जाने की वजह से गंगा में डूब गए , युवकों के गंगा में डूबने की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते चौकी प्रभारी बुगरासी नीटू मलिक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और गोताखोर व नरोरा से आई एनडीआरएफ की टीम ने कड़ी मेहनत के साथ बुधवार सुबह एक युवक का शव बरामद कर लिया गया है। थाना प्रभारी राम किशोर गौतम ने बताया कि एनडीआरएफ की टीम ने एक शव बरामद कर लिया है बरामद करने के बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है और दूसरे युवक की तलाश में एनडीआरएफ की टीम लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है।

काम पर गए मजदूर की बाइक चोरी, वारदात सीसीटीवी में कैद

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के चंदक क्षेत्र में मंडावर रोड पर एक मजदूर की बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। चोरी की पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित राजेंद्र अपनी बाइक खड़ी कर रोज की तरह काम पर गया था। दोपहर में जब वह वापस लौटा तो उसकी बाइक वहां से गायब थी। काफी तलाश के बाद भी वाहन का कोई पता नहीं चल सका। वायरल सीसीटीवी फुटेज में एक युवक पहले बाइक के आसपास घूमता हुआ दिखाई देता है। कुछ देर बाद वह बाइक में चाबी लगाकर उसे लेकर मौके से निकल जाता है।

घटना के बाद आसपास के लोगों में भी चिंता का माहौल है। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से करते हुए अपनी बाइक बरामद कराने और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

थाना मंडावर पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध युवक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है तथा जांच के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

हथियारों के प्रदर्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, पुलिस ने शुरू की जांच

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के गांव हरियावाला से जुड़ा बताया जा रहा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। करीब 16 सेकेंड के इस वीडियो में तीन युवक हथियारों के साथ बैठे दिखाई दे रहे हैं, जबकि उनके सामने मेज पर भी कई हथियार रखे नजर आ रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे युवकों को हरियावाला और सराय डूडंबर क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है। हालांकि उनकी आधिकारिक पहचान की पुष्टि अभी पुलिस द्वारा नहीं की गई है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर यह वीडियो तेजी से साझा किया जा रहा है। वीडियो में हथियारों के साथ कथित रूप से दबंगता का प्रदर्शन किए जाने की चर्चा हो रही है। वहीं, स्थानीय स्तर पर यह भी दावा किया जा रहा है कि वीडियो में दिख रहा एक युवक एक राजनीतिक दल से जुड़ा हुआ है, हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम वीडियो की सत्यता, उसमें दिखाई दे रहे व्यक्तियों की पहचान तथा हथियारों की वैधता की जांच में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

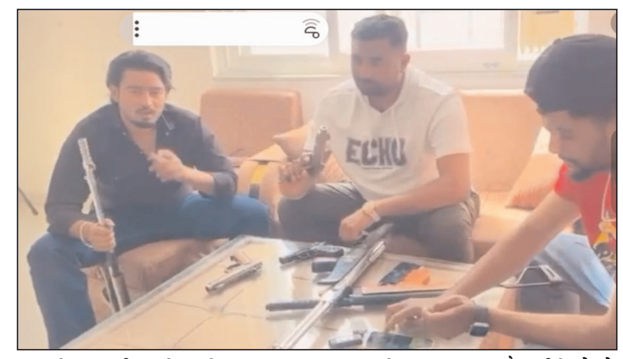

घरेलू कलह का दर्दनाक अंजाम, एक संदिग्ध परिस्थितियों में झुलसी तो दूसरी ने खाया जहर

एक विवाद और दो जिंदगियां खतरे में, दोनों को पहुंचाया गया अस्पताल, गांव में फैली सनसनी

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के स्योहारा क्षेत्र के गांव गल्लाखेड़ी में मंगलवार रात सास-बहू के बीच हुआ विवाद उस समय गंभीर हो गया जब बहू संदिग्ध परिस्थितियों में झुलस गई और सास ने जहरीला पदार्थ खा लिया। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार गांव गल्लाखेड़ी निवासी मितलेश (45) पत्नी अतर सिंह और उनकी बहू प्रियाशी (35) पत्नी अभिकांत के बीच मंगलवार रात किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर आसपास के लोगों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। इसके बाद प्रियाशी नीचे कमरे में चली गई। कुछ देर बाद उसके झुलसने की सूचना मिलने पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लोगों ने कमरे का दरवाजा तोड़कर उसे बाहर निकाला और आग बुझाई। उधर, इसी दौरान मितलेश ने भी जहरीला पदार्थ खा लिया। दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। मितलेश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा से हायर सेंटर रेफर किया गया, जबकि प्रियाशी को पहले सीएचसी नूरपुर, फिर जिला अस्पताल बिजनौर ले जाया गया, जहां से उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए दिल्ली रेफर कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार प्रियाशी के पहले पति की वर्ष 2020 में मृत्यु हो गई थी। इसके बाद उसका अभिकांत से विवाह हुआ था। बताया जाता है कि विवाह के बाद से परिवार में विवाद की स्थिति बनी रहती थी। पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी क्रम में यह घटना हुई। दोनों महिलाओं का उपचार चल रहा है और उनकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। मामले में आवश्यक जांच की जा रही है तथा क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है।

सूने मकान पर चोरों का धावा, लाखों का माल समेटकर फरार

ग्रामीणों के शोर मचाते ही मौके से फरार हुए बदमाश

बिजनौर (सब का सपना):- जिले के राजा का ताजपुर क्षेत्र के गांव रवाना शिकारपुर में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की नकदी और सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। घटना उस समय हुई जब मकान मालिक हाजी आयुब अंसारी का पूरा परिवार अमरोहा जनपद के गांव खेड़ा परोला में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने गया हुआ था। जानकारी के अनुसार घर बंद होने की भनक लगते ही चोरों ने देर रात मकान के ताले तोड़कर अंदर प्रवेश किया और नकदी समेत कीमती जेवरात समेट लिए। इसी दौरान कुछ ग्रामीणों को संदिग्ध गतिविधियां दिखाई दीं। ग्रामीणों के शोर मचाने पर चोरों में हड़कंप मच गया और वे मौके से भाग निकले। ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए बदमाशों का पीछा किया। खुद को घिरता देख चोर अपनी बाइक जंगल में छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए। ग्रामीणों ने बाइक को कब्जे में लेकर पुलिस को सूचना दी। माना जा रहा है कि बरामद बाइक आरोपियों तक पहुंचने में अहम सुराग साबित हो सकती है। सूचना मिलने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की तथा बरामद बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। साथ ही क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों को भी खंगाला जा रहा है।

थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस को कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। चोरी की इस वारदात से गांव में दहशत और पीड़ित परिवार में रोष का माहौल है।

वेल्डिंग के दौरान बस में लगी भीषण आग, धू-धू कर जली; वीडियो वायरल

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र में हस्तिनापुर रोड पर सैन्दवार गांव के बीच एक बस में वेल्डिंग का कार्य करते समय अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और बस धू-धू कर जलने लगी। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस में मरम्मत एवं वेल्डिंग का कार्य चल रहा था। इसी दौरान अचानक आग भड़क उठी, जिसने कुछ ही मिनटों में पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार दूर से दिखाई देने लगा।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने समरसेबल से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलने के कारण उस पर काबू नहीं पाया जा सका। राहगीरों द्वारा सूचना दिए जाने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें बस आग की लपटों में घिरी हुई दिखाई दे रही है। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वेल्डिंग के दौरान निकली चिंगारी से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं है।

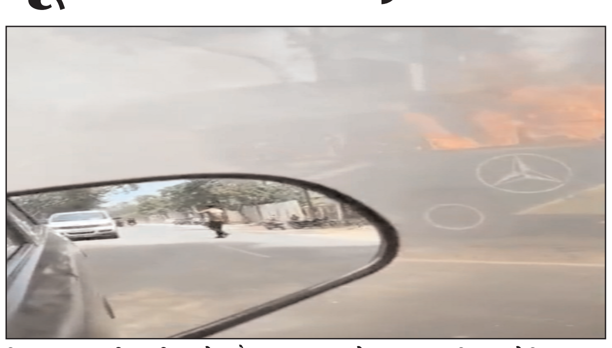

द्विदिवसीय राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर की शिक्षाविद्,साहित्यकार एवं कवयित्री डॉ. सारंगादेश असीम "सारंगा" की अध्यक्षता में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन देहरादून में किया गया।"संदल फाउंडेशन ग्रुप" के वार्षिकोत्सव पर देहरादून में आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय कवि सम्मेलन सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् साहित्यकार एवं कवयित्री डॉ. सारंगादेश असीम "सारंगा" की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें उन्हें तिलक,श्रीफल,पुष्पमाल, सम्मानवस्त्र तथा स्मृति चिह्न द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.हरीश नवल एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती स्नेह सुधा नवल रहीं। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती प्रिया सिन्हा एवं श्री राजेश सिन्हा ने संयुक्त रूप से किया। कवि सम्मेलन का संचालन वरिष्ठ कवि पंकज अंगार एवं श्री राजपालसिंह यादव ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में 29 साहित्यकारों ने भाग लिया और दोनों दिन गीत,गजल और विभिन्न रचनाओं से वातावरण काव्यमय बना रहा। डॉ. सारंगादेश " सारंगा " अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलनों के साथ ही 2016 में सिंगापुर,मलेशिया,एवं श्रीलंका में आयोजित कवि सम्मेलनों में सम्मान प्राप्त कर बिजनौर जिले का नाम रोशन कर चुकी हैं।

आगामी सितंबर में भूटान में आयोजित हिंदी साहित्य सम्मेलन में भी डॉ.सारंगादेश "सारंगा" की अध्यक्षता में लगभग 51 कवि अपनी रचनाओं से भारतवर्ष का नाम रोशन करेगें।

नगर में बढ़ता आवारा कुत्तों का खतरा, दो मासूम घायल

बिजनौर (सब का सपना):- चांदपुर नगर में आवारा कुत्ते के हमले में दो मासूम बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। घायल बच्चों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्याऊ ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। जानकारी के अनुसार मुहल्ला सरायरफी निवासी सिकंदर का पांच वर्षीय पुत्र रोहान और दिल्ली निवासी चार वर्षीय आयजा, जो अपने रिश्तेदारों के यहां चांदपुर आई हुई थी, घर के बाहर खड़े थे। इसी दौरान एक आवारा कुत्ता अचानक उन पर झपट पड़ा और दोनों बच्चों को काटकर घायल कर दिया। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद कुत्ता वहां से भाग गया। घटना के बाद परिजनों ने दोनों बच्चों को तत्काल उपचार के लिए सीएचसी स्याऊ पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के साथ आवश्यक चिकित्सीय प्रक्रिया पूरी की। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सड़कों और मोहल्लों में घूम रहे कुत्तों के कारण बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों को हमेशा खतरा बना रहता है। लोगों के अनुसार पिछले महीने भी मुहल्ला मुफ्ती सराय में एक बच्ची पर आवारा कुत्ते ने हमला कर उसे घायल कर दिया था।

लगातार हो रही घटनाओं से नाराज नगरवासियों ने नगरपालिका प्रशासन से आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में और गंभीर हादसे हो सकते हैं। फिलहाल घटना के बाद क्षेत्र के अभिभावकों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से सुंदरकांड के पाठ का किया गया आयोजन

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- बड़े मंगलवार के उपलक्ष में महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर धर्म लाभ उठाया। देर शाम मौहल्ला लोहियान के निकट सुंदरकांड महिला ग्रुप द्वारा सुंदरकांड का आयोजन किया गया। जिसमें नगर की धार्मिक महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर धर्म लाभ उठाया। उसके बाद भजनों के माध्यम से बजरंगबली का गुणगान किया गया।

अंत में आरती कर सब ने प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ उठाया। सुंदरकांड पाठ में मिथिलेश शर्मा नीना बंसल गौरी मिश्रा पूनम शर्मा रागिनी बंसल सीमा गुप्ता पूजा गुप्ता रजनी अग्रवाल रश्मि मनोरमा आदि महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर धर्म लाभ उठाया।

कोड़ीपुरा में पेयजल, सफाई और शौचालय व्यवस्था पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, एसडीएम से भ्रष्टाचार जांच की मांग

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर के ग्राम कोड़ीपुरा की महिलाओं और ग्रामीणों ने गांव में पेयजल आपूर्ति, सामुदायिक शौचालय, सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइटों की बदहाल स्थिति तथा ग्राम पंचायत में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को लेकर उप जिलाधिकारी धामपुर को शिकायत पत्र सौंपकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के अंतर्गत लगभग 18 माह पूर्व निर्मित पानी की टंकी के बावजूद गांव में नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं हो रही है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि समस्या उठाने पर ग्रामवासियों को संतोषजनक जवाब देने के बजाय अभद्र व्यवहार किया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सामुदायिक शौचालय नाममात्र के लिए संचालित हो रहा है, वहां पर्याप्त पानी और साफ-सफाई की व्यवस्था नहीं है। वहीं सफाई कर्मचारी नियमित रूप से गांव में कार्य नहीं कर रहे, जिससे नालियां गंदगी से अटी पड़ी हैं और बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने पानी की टंकी के संचालन में भी अनियमितता का आरोप लगाया है। साथ ही अधिकांश स्ट्रीट लाइटें खराब होने से रात में सुरक्षा संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। शिकायतकर्ताओं ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। शिकायत देने वालों में विरमा देवी, कमला देवी, सरोज देवी, सावित्री देवी, कमलेश, पूनम, किरणमाला, बबीता, सीमा, हरकली, मुन्नी देवी, मूर्ति देवी, छोटी देवी, आदेश देवी और लक्ष्मी सिंह सहित अनेक ग्रामीण शामिल रहे।

पशुशाला में लटका मिला महिला का शव, पति के घायल होने के बाद परेशान थी महिला

चार बच्चों को छोड़ गई महिला, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद क्षेत्र के जाफराबाद चौकी अंतर्गत ग्राम चंडीगढ़ में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से गांव में शोक का माहौल है। मंगलवार को मायके से ससुराल लौटने के कुछ ही घंटों बाद 46 वर्षीय महिला का शव पशुशाला में लटका मिला। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी। मृतका की पहचान पूनम पत्नी भुरे के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार पूनम मंगलवार को मायके से वापस घर लौटी थी। कुछ समय बाद वह घर में दिखाई नहीं दी। काफी देर तक तलाश करने पर परिजनों ने पशुशाला में बने टीन शेड के नीचे उसका शव रस्सी के सहारे लटका हुआ देखा। यह दृश्य देखकर परिवार में हड़कंप मच गया। परिजन तत्काल उसे नीचे उतारकर उपचार के लिए ले जाने की तैयारी में जुट गए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और गांव के लोग भी बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। परिजनों का कहना है कि कुछ दिन पहले पूनम के पति भुरे एक हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद से वह काफी परेशान और तनावग्रस्त रहती थी। परिवार को आशंका है कि इसी वजह से उसने यह कदम उठाया हो सकता है। पूनम अपने पीछे दो बेटे और दो बेटियां छोड़ गई है। मां की मौत से बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार और क्षेत्राधिकारी आकांक्षा गौतम पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अधिकारियों का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

मालवीय नगर अग्निकांड: आरोपी होटल मालिक लवकेश बजाज और अकाउंटेंट जय मिश्रा 12 दिनों की न्यायिक हिरासत में

दक्षिणी दिल्ली। हौजरानी अग्निकांड मामले में गिरफ्तार होटल मालिक लवकेश बजाज और अकाउंटेंट जय मिश्रा को बुधवार को साकेत कोर्ट ने 12 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले की अगली सुनवाई 22 जून को होगी। बता दें, आरोपित अकाउंटेंट ने सोमवार को कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था। पुलिस ने आरोपित जय मिश्रा की दो दिन की पुलिस हिरासत ली थी। इससे पहले होटल मालिक लवकेश बजाज की दिल्ली पुलिस को चार दिन की रिमांड मिली थी, जिसे सोमवार को कोर्ट में पेशी के बाद दो दिन के लिए बढ़ाया गया। आज कोर्ट में दोनों की पेशी होगी। मामले में होटल के शेफ केशव नेगी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। पूरे मामले में तीन लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी अभी तक इस पूरे मामले में तीन लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इसमें होटल मालिक लवकेश बजाज, शेफ केशव नेगी और अकाउंटेंट जय मिश्रा शामिल हैं। वहीं दिल्ली पुलिस इस पूरे मामले के चौथे आरोपित मैनेजर रूपेश की तलाश में जुटी हुई है।

फिर चर्चा में हरियाणवी डांसर सपना चौधरी, पति के खिलाफ पहुंचीं दिल्ली कोर्ट; क्या है पूरा मामला?

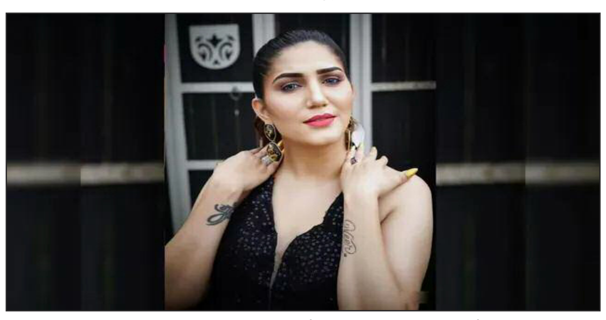

पश्चिमी दिल्ली। हरियाणवी डांसर और गायिका सपना चौधरी की निजी जिंदगी एक बार फिर चर्चा में आ गई है। सपना चौधरी ने अपने पति और हरियाणवी गायक वीर साहू के खिलाफ मारपीट और प्रताड़ना के आरोप लगाते हुए दिल्ली की द्वारका महिला कोर्ट में याचिका दायर की है। मंगलवार को मामले की प्रारंभिक सुनवाई करते हुए अदालत ने सपना चौधरी को अंतरिम राहत प्रदान की। कोर्ट ने वीर साहू को अगली सुनवाई तक सपना चौधरी से किसी भी प्रकार का संपर्क करने, उनके घर या कार्यस्थल पर जाने तथा उन्हें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से परेशान करने से रोक दिया है। हरियाणवी डांसर ने छोड़ा ससुराल अदालत में सपना चौधरी की ओर से वीडियो, ऑडियो और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य भी प्रस्तुत किए गए हैं। इन साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने मामले को सुनवाई योग्य मानते हुए अगली तारीख 25 जुलाई निर्धारित की है। सूत्रों के अनुसार, वैवाहिक विवाद बढ़ने के बाद सपना चौधरी अपने ससुराल से अलग हो चुकी हैं। वर्तमान में वह द्वारका एक्सप्रेस-वे क्षेत्र स्थित अपने मायके में रह रही हैं। 2020 में की थी लव मैरिज सपना चौधरी और वीर साहू का विवाह वर्ष 2020 में पंजाब में हुआ था। दोनों के दो बेटे हैं। सपना का पैतृक संबंध हरियाणा के हिसार जिले से है, जबकि वीर साहू भी हरियाणवी संगीत जगत का चर्चित नाम माने जाते हैं। 25 जुलाई को अगली सुनवाई फिलहाल मामले में अदालत की ओर से अंतरिम संरक्षण आदेश जारी किया गया है। अब सभी की निगाहें 25 जुलाई को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी हैं, जहां अदालत के समक्ष दोनों पक्षों की दलीलों और प्रस्तुत साक्ष्यों पर आगे विचार किया जाएगा। इस संबंध में सपना चौधरी से संपर्क करने की कोशिश की गई पर, उन्होंने बात करने से इनकार कर दिया।

टेरर फंडिंग मामले में एक्टिविस्ट खुर्रम परवेज को बड़ी राहत, दिल्ली एचसी से मिली जमानत

नई दिल्ली। आतंकी फंडिंग व आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए युवकों को भर्ती कराने के आरोपित कश्मीरी मानवाधिकार कार्यकर्ता खुर्रम परवेज को बुधवार को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाई कोर्ट ने खुर्रम परवेज को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा उनके खिलाफ दर्ज यूएपीए मामले में सशर्त जमानत दे दी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने गैर-कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के खुर्रम परवेज को 22 नवंबर 2021 को गिरफ्तार किया गया था। ट्रायल कोर्ट ने 17 दिसंबर 2024 को खुर्रम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी और उक्त निर्णय को खुर्रम ने 24 दिसंबर, 2024 को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा, "हमने कई शर्तों के साथ जमानत दे दी है।" पुलिस हिरासत में कई बार रिमांड पर रखने के बाद 25 फरवरी 2022 को उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। 19 दिसंबर 2024 को अपील दाखिल करते समय परवेज कुल मिलाकर करीब 3 साल 1 महीने से जेल में थे।

दिल्ली का मौसम: भीषण गर्मी और उमस से दिल्ली-एनसीआर वाले बेहाल, आईएमडी ने दी राहत भरी खबर

नई दिल्ली। बादलों की आवाजाही और तीखी धूप के बीच दिल्ली में गर्मी के तेवर अभी भी तल्ख ही बने हुए हैं। लोगों का हाल बेहाल है, बिना एसी कहीं राहत नहीं मिल पा रही। हालांकि मंगलवार रात की आंधी बारिश के बाद सुबह के तापमान में कुछ कमी आई है, लेकिन उमस बरकरार है। मौसम विभाग के अनुसार बृहस्पतिवार और शुक्रवार (11-12 जून) को भी बारिश होने की संभावना है। तब तापमान भी कम हो जाएंगे। दूसरी तरफ दिल्ली की वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में ही चल रही है। आज कैसा रहेगा मौसम? बुधवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 22.9 डिग्री दर्ज किया गया। यह एक दिन पहले की तुलना में 7 डिग्री कमी है। वहीं अधिकतम तापमान 43 डिग्री के आसपास रह सकता है। दिन में बादलों की आवाजाही लगी रहेगी। तेज धूप भी निकलेगी। गर्जन वाले बादल बनने और कहीं कहीं हल्की बारिश होने की संभावना से भी इनकार नहीं है। वहीं, एनसीआर में मानसून की एंट्री जून के अंतिम सप्ताह में होगी। कैसी है दिल्ली की हवा? बुधवार को सुबह साढ़े नौ बजे दिल्ली का एक्यूआई 167 दर्ज किया गया। इसे 'मध्यम' श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर के शहरों में भी हवा संतोषजनक से मध्यम श्रेणी में चल रही है। पूवार्नुमान है कि हाल फिलहाल इसमें बहुत अधिक बदलाव नहीं होगा।

सौरभ भारद्वाज के खिलाफ मानहानि केस में स्टेटमेंट दर्ज कराने नहीं पहुंच सके प्रवेश वर्मा, कोर्ट ने दी 4 जुलाई की तारीख

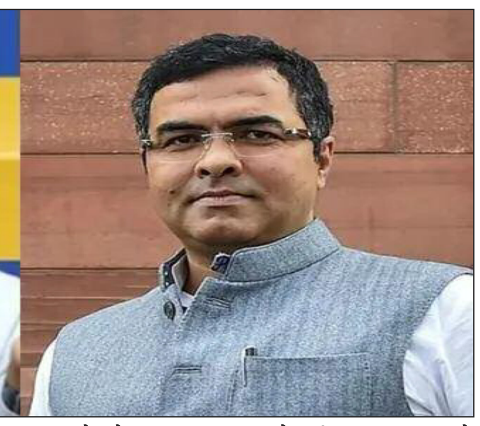

नई दिल्ली: दिल्ली सरकार में मंत्री और भाजपा नेता प्रवेश वर्मा द्वारा आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले मेंमंगलवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान प्रवेश वर्मा की ओर से अदालत से उनका बयान दर्ज कराने के लिए समय मांगा गया। उनके वकील ने कोर्ट को बताया कि व्यस्तता के कारण प्रवेश वर्मा निर्धारित तारीख पर पेश नहीं हो सके। कोर्ट में दर्ज होगा बयान अदालत ने अनुरोध स्वीकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई 4 जुलाई तय की है। अब 4 जुलाई को राउज एवेन्यू कोर्ट में प्रवेश वर्मा का बयान दर्ज किया जाएगा। दरअसल, आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाया था कि प्रवेश वर्मा ने 'एस.एस. मोटा सिंह स्कूल ट्रस्ट' में अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अपने करीबी सहयोगियों की नियुक्ति कराई है। भारद्वाज ने दावा किया था कि इस ट्रस्ट के पास करीब 500 करोड़ रुपए की संपत्ति है। कोर्ट पहुंचा मामला इन आरोपों को प्रवेश वर्मा ने पूरी तरह झूठा, निराधार और मानहानिकारक बताते हुए सौरभ भारद्वाज के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले से जुड़े सिविल मानहानि मुकदमे में भी कार्रवाई जारी है। प्रवेश वर्मा द्वारा दायर सिविल मानहानि याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने सौरभ भारद्वाज को समन जारी किया और उन्हें 30 दिनों के भीतर लिखित जवाब तथा हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। 5 करोड़ रुपए के हजार्ने की मांग सिविल मानहानि मामले में प्रवेश वर्मा ने सौरभ भारद्वाज से 5 करोड़ रुपए के हजार्ने की मांग की है। मामला फिलहाल अदालत में विचाराधीन है। प्रवेश वर्मा ने अपनी याचिका में कहा है कि सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनके खिलाफ झूठे, दुर्भावनापूर्ण और अत्यधिक अपमानजनक पोस्ट और वीडियो शेयर किए थे। जिसमें आरोप लगाया गया कि एक मंत्री के रूप में अपने पद का दुरुपयोग करके उन्होंने अपने एक सहयोगी को निजी स्कूल ट्रस्ट में ट्रस्टी नियुक्त किया।

राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र में बच्चे सीख रहे भविष्य की तकनीकें, बन रहे वैज्ञानिक

नई दिल्ली। भविष्य अब केवल कल्पनाओं या साइंस फिक्शन फिल्मों तक सीमित नहीं है। अब नई पीढ़ी इन तकनीकों को अपनी उंगलियों पर नचा रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) गेमिंग, रोबोटिक्स और ड्रोन मेकिंग के इस आधुनिक युग में बच्चे किताबों के रटे-रटाए ज्ञान से बाहर निकलकर खुद अपने हाथों से भविष्य की दुनिया की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं। वह भी तब जब इस गर्मी की छुट्टियों में अधिकांश बच्चे अभिभावकों के साथ छुट्टियां मना रहे हैं। वहीं, ये छात्र मस्ती छोड़ प्रयोग के जरिये भूगर्भ से लेकर क्षितिज तक नाप रहे हैं। राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र ऐसे किशोर वैज्ञानियों की कल्पनाओं को पंख देने वाला अहम और अत्याधुनिक ठिकाना बना हुआ है। केंद्र में विज्ञानी खिलौना निर्माण, खगोल लैब, वंडर आफ इलेक्ट्रॉनिक्स विद एआई टूल, एआइ एंड कंप्यूटेशनल थिंकिंग, गेमिंग, थ्रीडी प्रिंटिंग और बेसिक्स आफ बायोटेक्नोलाजी जैसे नौ अत्याधुनिक विषयों पर नवाचार का महाकुंभ लगा है। इसे सीखने के लिए देश के विभिन्न राज्यों से बच्चे अपने माता-पिता के साथ पहुंच रहे हैं। विदेशी तकनीक को मात, स्वदेशी किट से आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र के शिक्षा अधिकारी दिनेश मलिक बताते है कि इन दिनों पूरा परिसर वैज्ञानिक चेतना के रंग में रंगा है। केंद्र ने आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाते हुए एक बड़ा बदलाव किया है। रोबोटिक एसोसिएट क्यूरेटर धीमान सरकार के मार्गदर्शन में बच्चे ऐसी रोबोटिक हाथ बना रहे हैं, जो इंसानी हाथों की तरह लचीली है। पहले इसके लिए एक अमेरिकी कंपनी के किट पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब केंद्र खुद अपनी स्वदेशी किट तैयार कर रहा है, जिसे बच्चे खुद बनाकर अपने घर भी ले जा रहे हैं। खाद बात की यह खरीद के मुकाबले कई गुना सस्ता है। ड्रोन मेकिंग और एस्ट्रो लैब में छात्राओं का जलवा यहां बच्चे ड्रोन बनाने से लेकर उसके रिमोट कंट्रोल की बारीकियां तक सीख रहे हैं। वहीं, एस्ट्रो लैब में छात्राओं ने एस्ट्रोलेब, नोमोन, सनडायल और पेट्रोस्कोप बनाकर सबको हैरान कर दिया। इसी कड़ी में नोएडा की परीशा शेखर ने आटो के लिए एक अनोखा एयर कूलर और सोलर कार डिजाइन की है। यहां बच्चे वेस्ट बोतलों से कार, डांसिंग पेंसिल, बांसुरी और स्पीकर भी बना रहे हैं।

विश्वास और विकास के 12 वर्ष : सीएम रेखा गुप्ता ने किशनगंज में की गौसेवा; पीएम मोदी को बताया देश का 'प्रधान सेवक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विश्वास, विकास और जनकल्याण के सफलतापूर्वक 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज विशेष कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने किशनगंज स्थित पिंजरापोल गौशाला का दौरा किया, जहाँ उन्होंने पूरे भक्ति-भाव से गौसेवा की और आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर में की पूजा-अर्चना और मांगी दुआएं गौसेवा के उपरांत, मुख्यमंत्री ने गौशाला परिसर में ही स्थित मंदिर में भगवान के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और सुंदरकांड का पाठ किया। इस पावन अवसर पर उन्होंने ईश्वर से विशेष प्रार्थना करते हुए, देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित पद पर रहने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के उत्तम स्वास्थ्य और दीघायु होने की मंगल कामना की। 'प्रधान सेवक' के रूप में देश में लाया व्यापक बदलाव कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के कार्यकाल की सराहना करते हुए बताया गया कि एक 'प्रधान सेवक' के रूप में उनका देश के प्रति समर्पण और सेवा भावना अद्भुत है। प्रधानमंत्री मोदी की इस अनूठी कार्य संस्कृति ने पूरे देश में विकास और व्यापक बदलाव का एक नया अध्याय लिखा है, जिससे देश के हर वर्ग तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा है।

प्रधानमंत्री मोदी के सबसे लंबे कार्यकाल पर भाजपा नेताओं ने मंदिरों में की पूजा, नड्डा से मनोज तिवारी तक सब पहुंचे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री के रूप में चुने जाने के बाद सर्वाधिक लम्बा कार्यकाल पूरा करने के उपलक्ष्य में भाजपा नेताओं ने बुधवार को दिल्ली के विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना कर उनकी दीघार्यु, स्वास्थ्य और सफल नेतृत्व की कामना की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने झंडेवालान मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, सांसद बांसुरी स्वराज और भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रमुख संजय मयूख भी उनके साथ मौजूद रहे। नेताओं ने प्रधानमंत्री के लम्बे और सफल नेतृत्व काल के लिए प्रार्थना की। इसी क्रम में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंदिर मार्ग स्थित बिड़ला मंदिर पहुंचकर दर्शन किए और प्रधानमंत्री मोदी के स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की कामना की। वहीं, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सांसद योगेंद्र चांदोलिया के साथ किशनगंज स्थित गौशाला में बने मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन की मंगल कामना की। इसके अलावा सांसद मनोज तिवारी ने कर्दमपुरी के सौ फुटा रोड स्थित शिव मंदिर पहुंचकर भजन-पूजन किया। अन्य श्रद्धालुओं के साथ उन्होंने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लम्बे, स्वस्थ एवं सफल कार्यकाल के लिए प्रार्थना की। भाजपा कार्यकताओं और नेताओं का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता की दिशा में अभूतपूर्व प्रगति की है। उनका यह लम्बा कार्यकाल पार्टी के लिए गर्व का विषय है। विभिन्न मंदिरों में आयोजित इन पूजा कार्यक्रमों में भक्तों की भीड़ उमड़ी रही।यह कार्यक्रम पूरे देश में प्रधानमंत्री मोदी के ऐतिहासिक उपलब्धि को समर्पित हैं, जिसमें भाजपा के सभी स्तर के नेता व कार्यकर्ता अपनी श्रद्धा व्यक्त कर रहे हैं।

एक हत्यारोपी के दो जन्म प्रमाण पत्र, कोर्ट ने कहा- उम्र तय करने में हुई गलती; नाबालिग मानने का फैसला पलटा

पश्चिमी दिल्ली। द्वारका डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने उत्तम नगर में होली के दिन हुई तरुण नामक युवक की हत्या के मामले में एक आदेश जारी किया है। कोर्ट ने किशोर न्याय बोर्ड के उस फैसले को पलट दिया है, जिसमें एक आरोपित को नाबालिग घोषित किया गया था।अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रजत गोयल ने मामले को दोबारा बोर्ड के पास भेजते हुए आरोपित की उम्र की नए सिरे से जांच करने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में पीड़ित पक्ष ने कोर्ट में दिल्ली नगर निगम द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र पेश किया, जिसके अनुसार आरोपित की जन्मतिथि वर्ष 2007 की है। इस हिसाब से वह बालिग होता है। जबकि किशोर न्याय बोर्ड ने पहले स्कूल रिकॉर्ड के आधार पर आरोपित की जन्मतिथि वर्ष 2011 मानी थी। आरोपित के वकील ने कोर्ट में एक और बर्थ सर्टिफिकेट पेश किया जिसमें उसे नाबालिग दिखाया गया है और पीड़ित पक्ष के दस्तावेज को फर्जी बताया है। कोर्ट ने पाया कि किशोर न्याय बोर्ड ने स्कूल रिकॉर्ड के सहायक दस्तावेजों और दोनों पक्षों द्वारा पेश किए गए अलग-अलग प्रमाण पत्रों की गहन जांच किए बिना ही फैसला सुना दिया था। अब किशोर न्याय बोर्ड को आदेश दिया गया है कि वह सभी संदिग्ध और विरोधाभासी दस्तावेजों की पूरी पड़ताल कर आरोपित की सही उम्र तय करे।

दिल्ली में आईएएस के इशारे पर इंस्पेक्टर ने मांगी थी तीन करोड़ की रिश्वत, सीबीआई को मिली चौंकाने वाली जानकारी

नई दिल्ली। बीते सोमवार शाम लाल किला के पास से सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह के मामले में बेहद चौंकाने वाली जानकारी मिली है। गुजरात, वडोदरा के एक मामले में दो आरोपितों को मुकदमे से राहत दिलाने के एवज में आईजीआई एयरपोर्ट पर सिविल एविएशन में तैनात एक सीनियर आईएएस के निर्देश पर क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर ने आरोपितों से तीन करोड़ की मांग की थी। मई में कराई गई थी मीटिंग दोनों आरोपितों की आईएएस अधिकारी के कार्यालय में बीते मई में मीटिंग भी कराई गई थी। बाद में डील डेढ़ करोड़ में तय की गई। जिसमें एडवांस के तौर पर 50 लाख कुछ दिन पहले इंस्पेक्टर को दे दिया गया था। सोमवार को 25 लाख लेते गिरफ्तार कर लिया गया। दवाओं से जुड़ा यह हाई प्रोफाइल केस पहले क्राइम ब्रांच के पास था जिसे बाद में सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया गया था। सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। आरोपितों के फोन इंटरसेप्ट में आईएएस और इंस्पेक्टर की भूमिका सामने आने पर अभी केवल इंस्पेक्टर को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। आगे आईएएस अधिकारी को भी सीबीआई गिरफ्तार करेगी। सीबीआई की एफआईआर दैनिक जागरण के पास है जिसमें आईएएस अधिकारी को भी नामजद किया गया है।

यूपी पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा के लिए चल रही स्पेशल ट्रेनें, देखें रूट और शेड्यूल

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा के कारण ट्रेनों में भीड़ बढ़ गई है। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे द्वारा विशेष अनारक्षित ट्रेनें चलाई जा रही है। मंगलवार को 10 विशेष ट्रेनें चलाई गईं। बुधवार को चार विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की गई है। हजारों अभ्यर्थियों को मिलेगी राहत उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि मंगलवार को तिलक ब्रिज - सहारनपुर, सहारनपुर -तिलक ब्रिज, मेरठ - सहारनपुर, सहारनपुर - मेरठ, मुरादाबाद - सीतापुर, लखनऊ -बनारस, लखनऊ- प्रयागराज संगम, लखनऊ- कानपुर- लखनऊ विशेष ट्रेनों का संचालन किया गया। इसके चलते हजारों अभ्यर्थियों को समय पर परीक्षा स्थल पर पहुचंने में मदद मिली। उन्होंने बताया कि बुधवार को तिलक ब्रिज -सहारनपुर, सहारनपुर- तिलक ब्रिज, मेरठ- सहारनपुर और मेरठ -सहारनपुर के बीच विशेष ट्रेन चलाई जा रही है। जरूरत पड़ने पर और भी ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। स्टेशन पर भीड़ बढ़ने की स्थिति में अल्प सूचना के आधार पर विशेष ट्रेन रवाना की जाएगी। इसके साथ ही स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के भी उपाय किए जा रहे हैं।

आईजीडीटीयूडब्ल्यू में एडमिशन शुरू, साइबर सिक्योरिटी-रोबोटिक्स समेत 3 नए कोर्स लॉन्च; 1241 बीटेक सीटों पर होंगे दाखिले

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय महिला (आईजीडीटीयूडब्ल्यू) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस वर्ष विश्वविद्यालय ने उभरती तकनीकों और उद्योग की मांग को देखते हुए तीन नए शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू करने का फैसला किया है। इनमें बीटेक (कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग- साइबर सिक्योरिटी), बीटेक (रोबोटिक्स एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- एआई) व पांच वर्षीय एकीकृत बीएससी-एमएससी (गणित) कार्यक्रम शामिल हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. रंजना झा ने कहा कि आईजीडीटीयूडब्ल्यू का लक्ष्य ऐसी महिला पेशेवरों और नेतृत्वकताओं को तैयार करना है जो भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और नवाचार की सोच से लैस हों। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रमों को उद्योगों की जरूरतों और शोध आधारित शिक्षण के अनुरूप तैयार किया गया है, जिससे छात्राओं को रोजगार और अनुसंधान दोनों क्षेत्रों में बेहतर अवसर मिल सकें। प्रो. झा ने कहा कि नई तकनीकों और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए शुरू किए जा रहे नए कार्यक्रम छात्राओं को तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करने का अवसर देंगे। अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिल रहा उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय वर्तमान में एडवांस्ड ड्रोन टेक्नोलॉजी, साइबर सिक्योरिटी, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और डाटा साइंस जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है।

उन्होंने कहा कि उद्योगों के साथ मजबूत साझेदारी, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, नवाचार एवं स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली व्यवस्थाएं छात्राओं को कक्षा से बाहर भी व्यापक अनुभव प्रदान करती हैं। उन्होंने देशभर की प्रतिभाशाली छात्राओं से विश्वविद्यालय का हिस्सा बनने और तकनीकी रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। बीटेक की 1,241 सीटों पर होंगे दाखिले विश्वविद्यालय की प्रवेश सूचना के अनुसार बीटेक में कुल 1,241 सीटों पर दाखिले होंगे। नए शुरू किए जा रहे साइबर सिक्योरिटी और रोबोटिक्स एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कार्यक्रमों में 77-77 सीटें निर्धारित की गई हैं।

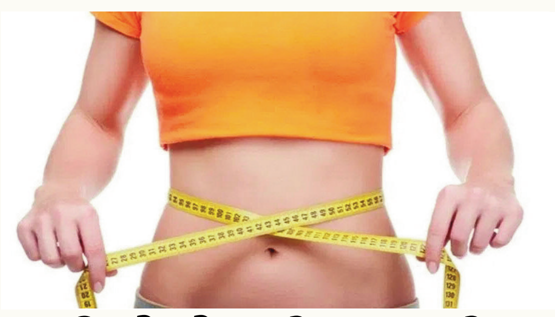

मीनोपोज के बाद के मोटापे को यूं घटाएं

मीनोपोज (माहवारी) बंद होने के बाद बढ़ने वाला बैली फैट कई महिलाओं के लिए एक बड़ी समस्या है। ये कोई साधारण फैट नहीं है, जो डाइटिंग और योगा से कम हो जाए! इसलिए इसे जिद्दी फैट भी कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने इस वजह को ढूंढ निकाला है कि आखिर मीनोपोज के बाद मोटापा क्यों बढ़ता है? शोधकर्ताओं के मुताबिक, मीनोपोज के बाद एस्ट्रोजन लेवल कम होने से हिप्स और थाईज का फैट लोअर-एब्डॉमन में चला जाता है लेकिन डाइट में बदलाव करके आप शरीर का एक्सट्रा फैट घटा सकते हैं।

आमतौर पर महिलाएं बेली फैट कम करने के चक्कर में हेल्दी फैट का सेवन करना भी छोड़ देती हैं जो कि गलत है। क्या आप जानते हैं कुछ फैट ऐसे भी होते हैं जिनका सेवन बैली फैट घटाने में मदद कर सकता है। जैसे एवोकैडो, ऑलिव्स, सैल्मन मछली और कोकोनट ऑयल। अध्ययन से पता चला है कि एक महीने के लिए हर सप्ताह तीन बार 28 ग्राम साल्मन मछली खाने से लगभग एक किलो से अधिक वजन घटाया जा सकता है। ऐप्पल साइडर विनेगर (सिरका) आपके मेटाबॉलिज्म को तेज करने में मदद करता है। सिरका में शामिल एसिडिक एसिड प्रोटीन वजन कम करने में मदद करता है। इसके साथ ही ग्रीन स्मूदी भी आपका बैली फैट घटाने में मददगार हो सकती है।

ये हैं डैंड्रफ को दूर करने के उपाय

अधिकतर महिलाएं डैंड्रफ की समस्या से परेशान रहती हैं। इससे स्कैल्प में सफेद रंग की पपड़ी जमने लगती है। डैंड्रफ के कारण सिर में खुजली भी होने लगती है। बहुत अधि?क खुजली करने से सिर में घाव बन जाते हैं। साथ ही बालों की जड़ें भी कमजोर हो जाती है। कुछ खास उपायों की सहायता से आप डैंड्रफ की इस समस्या से राहत पा सकती हैं।

डैंड्रफ की समस्या को दूर करने के लिए जरूरी है कि आप नियमित रूप से बालों में कंघी करें। इससे बालों की जड़ों से ज्यादा तेल निकलता है। इसके अलावा बालों में कंघी करने से बालों की ग्रोथ भी बढ़ती है।

डैंड्रफ में अच्छी क्वालिटी के शैंपू का ही इस्तेमाल करें। ऐसे हेयर प्रोड्क्ट का इस्तेमाल करें जिसमें जिंक पाइरिथियन मौजूद होता है। ये डेंड्रफ को दूर करने में कारगर साबित होता है।

एलोवेरा के रस से बालों की मसाज करें और एक घंटे बाद ठंडे पानी से धो लें। ऐसा करने से डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी। नारियल के तेल में कपूर मिलाकर रख लें। नहाने से आधे घंटे पहले इससे बालों की मसाज करें। नियमित रूप से ऐसा करने से डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी। अपने बालों को रोजाना अच्छी क्वालिटी के एंटी-डैंड्रफ शैंपू से धोएं। इससे डैंड्रफ की समस्या काफी हद तक खत्म हो जाती है। एक ग?लास पानी में चार बड़े चम्मच बेसन मिलाकर पेस्ट बना लें और इसे बालों में लगाकर एक घंटे के लिए छोड़ दें और फिर बाल धो लें।

मेहंदी तभी खूबसूरत लगती है, जब उसका रंग गहरा हो

शादियों का सीजन चल रहा हैं, ऐसे में मेहंदी के बिना श्रृंगार पूरा नहीं होता। मेहंदी लगाना न केवल सोलह श्रृंगार में से एक है बल्किर इसे शुभ शगुन के तौर पर भी देखा जाता है। हमारे देश में कोई भी खास मौका हो, हाथों में मेंहदी रचाए बिना पूरा नहीं माना जाता। पर मेहंदी तभी खूबसूरत लगती है, जब उसका रंग गहरा हो और यह सही से रचे। मेहंदी का एक खास गहरा लाल रंग होता है जो हाथों पर बेहद खूबसूरत लगता है।

कई बार ऐसा होता है कि मेहंदी लगी तो बहुत अच्छी होती है लेकिन सही से न रचने के कारण खूबसूरत डिजाइन भी खिलकर नहीं आ पाता। ऐसे में आप इन उपायों को अपनाकर गहरी और खूबसूरत मेंहदी रचा सकती हैं। पहले यह तय कर लें कि आपकी मेहंदी का घोल अच्छे से तैयार किया गया हो।

इन उपायों को अपनाने से गहरी रचेगी मेंहदी

मेहंदी लगाने के बाद धैर्य रखना बहुत जरूरी है। कम से कम पांच से छह घंटे के लिए मेहंदी को हाथों पर रचे रहने दें। इससे मेहंदी का रंग गहरा चढ़ता है।

नींबू और चीनी के घोल के इस्तेमाल से भी मेहंदी का रंग गहरा चढ़ता है। दरअसल, इस घोल को लगाने से मेहंदी ज्यादा देर के लिए हाथों में चिपकी रहती है और इससे उसका रंग गहरा हो जाता है।

मेहंदी छुड़ाने के लिए पानी का इस्तेमाल न करें। हो सके तो 10 से 12 घंटों तक हाथों पर पानी के इस्तेमाल से बचें। साबुन के इस्तेमाल से दूर ही रहें तो बेहतर होगा। मेहंदी छुड़ाने के बाद सरसों के तेल को हाथों पर मल लें। इन उपायों को अपनाने से मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है।

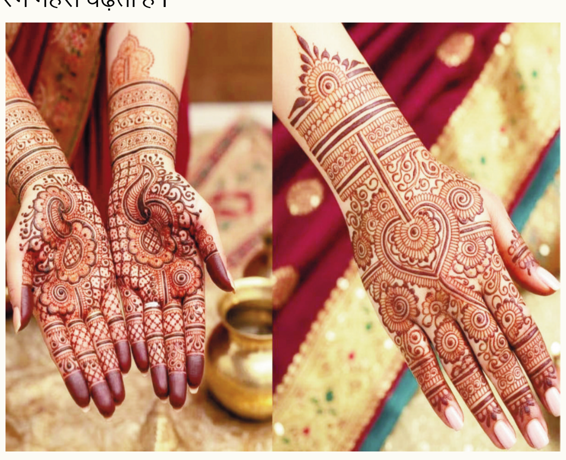

इस कारण होता है मोतियाबिंद

मोतियाबिंद की समस्या पहले सिर्फ बुजुर्गों में ही पायी जाती थी लेकिन आजकल ये युवाओं ओर बच्चों को भी अपना शिकार बना रही है। अगर आप किसी बीमारी से ग्रस्त हैं तो उसका असर भी आपके आंखों की रोशनी पर होता है जिससे मोतियाबिंद की समस्या होती है।

हमारी आंख की पुतली के पीछे एक लेंस होता है। पुतली पर पड़ने वाली लाइट को यह लेंस फोकस करता है और रेटिना पर ऑब्जेक्ट की साफ इमेज बनाता है। रेटिना से यह इमेज नर्व्स तक और वहां से दिमाग तक पहुंचती है। आंख की पुतली के पीछे मौजूद यह लेंस पूरी तरह से साफ होता है , ताकि इससे लाइट आसानी से पास हो सके।

कभी-कभी इस लेंस पर कुछ धुंधलापन आ जाता है , जिसकी वजह से इससे गुजरने वाला प्रकाश का रास्ता बंद हो जाता है। इसका नतीजा यह होता है कि पूरी लाइट पास होने पर जो ऑब्जेक्ट इंसान को बिल्कुल साफ दिखाई देता है,अब कम लाइट पास होने की वजह से वही ऑब्जेक्ट धुंधला नजर आने लगता है। लेंस पर होनेवाले इसी धुंधलेपन की स्थिति को मोतियाबिंद कहा जाता है। यह क्लाउडिंग धीरे - धीरे बढ़ती जाती है और मरीज की नजर पहले से ज्यादा धुंधली होती जाती है। मोतियाबिंद के कारण हो सकती हैं ये बीमारियां।

मधुमेह

मधुमेह शरीर के दूसरे अंगों जैसे गुर्दे और हृदय की ही अनेक बीमारियों का कारण ही नहीं है बल्कि आंखों पर भी कई प्रकार से इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। मधुमेह के लगभग 80 प्रतिशत रोगियों को जीवन में आंखों की किसी न किसी समस्या का सामना अवश्य करना पड़ता है। आंखों की इन समस्याओं में प्रमुख हैं- डायबेटिक रेटिनोपैथी, मोतियाबिंद तथा काला मोतिया। मधुमेह के कारण होने वाली इन बीमारियों से बचने के लिए जरूरी है कि मधुमेह के रोगी समय-समय अपनी आंखों की जांच कराते रहें और कोई भी दिक्कत सामने आते ही उसका इलाज करवाना शुरू कर दें। कुछ मरीजों में लैंस में धुंधलापन आ जाता है, उसकी पारदर्शिता खत्म हो जाती है इसे डायबिटिक कैटरैक्ट कहते हैं।

यूवाइटिस

यूवाइटिस एक प्रकार की सूजन है जो यूवेइआ में होते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जिनमें ट्रामा या संक्रमण भी एक हैं। इस बीमारी के कोई भी ज्ञात कारण नहीं है। मोतियाबिंद की समस्या उन लोगों में ज्यादा होती है जो जो यूवाइटिस से ग्रस्त होते हैं। यूवाइटिस अमेरिका, यूरोप और अन्य विकसित देशों में तेजी से फैल रही है। भारत में भी इस बीमारी के मरीजों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। दुनिया में यूवाइटिस को कैंसर से भी खतरनाक माना जा रहा है।

मायोपिया में मोतियाबिंद का खतरा ज्यादा

जो लोग उच्च निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) से प्रभावित होते हैं उनमें मोतियाबिंद का खतरा कहीं अधिक होता है। डॉक्टर के मुताबिक बचपन में देखन की क्षमता का विकास होता और किशोरावस्था में आंख की लंबाई बढ़ती है लेकिन निकट दृष्टि दोष होने की वजह से यह कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में आंख में जानेवाला प्रकाश रेटिना पर केंद्रित नहीं होता। इसी वजह से तस्वीर धुंधली दिखाई देती है लेकिन इस दोष को कॉटैक्ट लेंस या सर्जरी से ठीक कराया जा सकता है।

सेहतमंद रहने के लिए सुधारें कुछ आदतें

दिन में सपने देखना

दिन में सपना देखने को अक्सर लोग बुरा मानत हैं। जबकि एक शोध में ये बुरी नहीं बल्कि एक अच्छी आदत मानी गई है। एक्सपर्ट्स का दावा है कि दिन में सपने देखने वाले लोगों की याददाश्त तेज होती है। वो ना सिर्फ फुर्तीले होते हैं बल्कि काफी बुद्धिमान भी होते हैं। दिन में सपने देखने वाले लोगों की याददाश्त बेहतर होती है, एकाग्रता अधिक रहती है और मल्टीटास्किंग में आसानी होती है।

कुछ ऐसी आदतें भी होती हैं जिन्हें आमतौर पर अच्छा नहीं माना जाता पर इनके साथ भी आप स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। जैसे कि कॉफी की कम मात्रा सेहत के लिए अच्छीर हो सकती है, लेकिन अधिक कॉफी पीना सेहत के लिए अच्छो नहीं माना जाता। दिनभर में तकरीबन तीन कॉफी पीने से पित्त की पथरी का खतरा कम होता है। किडनी स्टोन के होने का खतरा भी नहीं रहता। इसके अलावा अगर आपका भी मूड खराब है तो आप कॉफी का एक कप जरूर लें। कॉफी में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो आपके मूड को ठीक करने में मदद करते हैं।

चॉकलेट के फायदे

अधिकतर लोग चॉकलेट को जंक फूड मानते हैं इसीलिए रोजाना चाकलेट खाने से बचते हैं पर ऐसा नहीं है, चॉकलेट खाना बुरा नहीं है। रिसर्च के मुताबिक, चॉकलेट सिर्फ आपको मीठा खाने की संतुष्टि ही नहीं देता बल्कि ये दिल की बीमारियों से भी बचाता है। खासतौर पर डार्क चॉकलेट। साथ ही यह निम्न रक्तचाप को भी संतुलित करता है। एक अन्य रिसर्च के मुताबिक, जो लोग अधिक चॉकलेट खाते हैं उन्हें स्ट्रोक का खतरा भी कम होता है।

गॉसिपिंग से भी है लाभ

गॉसिप करना सेहत के लिए बहुत अच्छां होता है। गॉसिपिंग के दौरान बॉडी से फील गुड हार्मोन रिलीज होता है जो कि तनाव और एंजाइटी से मुक्त करने में मदद करता है। इसके अलावा, ऑफिस में गॉसिपिंग सेफ्टी वॉल्व की तरह होती है, जिससे आप अपने दिल की बात बाहर निकाल सकते हैं।

इस प्रकार लंबे समय तक चलेंगे ब्यूटी प्रोडक्ट

खूबसूरती निखारने आप घरेलु नुस्खे भी आजमा सकती हैं। हमेशा महंगे उत्पाद खरीदने की जरुरत नहीं है। मस्कारा व आईलाइनर सूख जाए या फिर खत्म होने की स्थिति में हो तो उसे हल्के गर्म पानी में रखें या कॉन्टेक्ट लेंस सॉल्यूशन की कुछ बूंदे डालकर उनको आप एक बार फिर इस्तेमाल कर सकती हैं। मेकअप हटाने के लिए रिमूवर व क्लीजिंग मिल्क की जगह नारियल तेल , बेबी ऑयल या फिर दूध का उपयोग किया जा सकता है। फाउंडेशन वाला स्पंज अगर खराब हो गया है तो ब्रश से भी फाउंडेशन लगा सकती हैं। ब्रश से उसे फैलाएं, फिर टिश्यू पेपर को हल्का गीला करके उसको एक सार करें।

डार्क शेड के फाउंडेशन को अपनी स्किन टोन से मिलाने के लिए फाउंडेशन और मॉइश्चराइजर के साथ इसे मिलाएं।

लिप बाम बनाने के लिए बची हुए लिपस्टिक किसी स्टिक से निकाल लें फिर उसे माइक्रोवेव में मेल्ट कर लें। फिर उसे एक बाउल में निकाल लें। फिर इसे लिप बाम की तरह इस्तेमाल करें। स्क्रब खत्म हो जाए तो नया स्क्रब खरीदने की जगह ब्राउन शुगर और शहद को आपस में मिला कर स्क्रब बनाएं।

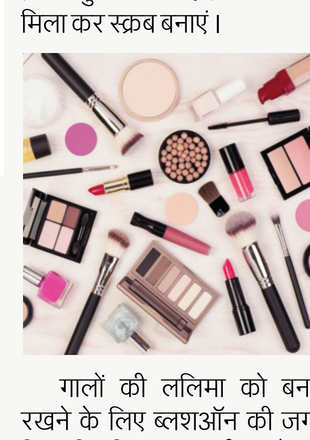

गालों की ललिमा को बनाए रखने के लिए ब्लशऑन की जगह पिंक लिपस्टिक का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।अगर बॉक्स में ड्राई आईशैडो टूट गया है तो इसे जोडने् के लिए उसमें एल्कोहल की कुछ बूंदें डालकर मिलाएं और उसी डिब्बी में जमा कर रखें।टूटे कॉम्पेक्ट को एक डिब्बी में एक साथ रख लें। फिर उसे इस्तेमाल करें।टूटी हुई लिपस्टिक को जोडने् के लिए उसे थोड़ा गर्म करे या फिर हेयर ड्रायर चला कर टूटे हिस्सों को जोड़ दें।

नींद की कमी से बढ़ जाता है कई बिमारियों का खतरा

रात में गहरी नींद सोने से सुबह हम तरोताजा महसूस करने के साथ ही स्वस्थ भी रहते हैं। वहीं नींद की कमी से कई बिमारियों को खतरा बढ़ जाता है। यह देखा गया है कि कई बार नींद नहीं आती या अगर आप रात के समय कम सोते हैं और सोने के बाद बार-बार आपकी नींद खुल जाती है, तो सावधान हो जाएं क्योंकि एक अध्ययन की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि यह आपके याद रखने की क्षमता को पूरी तरह नष्ट कर सकती है।

ना केवल मानसिक, बल्कि यह शारीरिक सेहत के लिए भी ठीक नहीं है। अध्ययनकर्ताओं का दावा है कि इससे डिमेंशिया बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।

एक किताब में कुछ ऐसा ही दावा किया गया है.

किताब को लिखने वाले न्यूरोलॉजिस्ट का कहना है कि सोने के दौरान हमारा मस्तिनष्क बहुत से काम करता है. जैसे कि यादों को संचित करने और उन्हें संभालने जैसे काम करता है।

डिमेंशिया एक ऐसी बामारी है, जिसमें आप चीजों को भूलने लगते हैं, आप का मूड बदलने लगता है, काम में आपका मन नहीं लगता और साथ ही आप चिड़चिड़े भी हो जाते हैं।

कम नींद आपके दिमाग पर बुरा असर डालती है, जिसके चलते व्यक्ति में सोचने-समझने जैसी संज्ञानात्मक क्षमता के साथ चीजों को याद रखने की क्षमता भी कम होने लगती है।

एक अध्ययन में यह भी सामने आया कि कम नींद की वजह से कैंसर होने की आशंका भी बढ़ जाती है।

इन बीमारियों से बचने

सोने का एक समय बनाएं

हर दिन एक ही समय पर सोएं और उसी समय के अनुसार उठें। इस तरह से अपका दिमाग एक समय पर सोने और उठने का आदि हो जाएगा और आपकी नींद अच्छी होने लगेगी।

देर रात खाने से बचें

रात में सोने से लगभग 3 घंटे पहले तक कुछ ना खाएं क्योंकि देर रात खाते ही लेट जाने से खाना डाइजेस्ट नहीं हो पाता, जिस कारण सोने के बाद बार-बार आपकी आंख खुलती रहती है और आप सुकुन की नींद नहीं ले पाते।

सोते समय लाइट्स बंद रखें

रोशनी का हमारे नींद पर बहुत असर पड़ता है। इसलिए सोने से पहले सभी लाइट्स को जरुर बंद करें. क्योंकि अंधेरे में नींद अच्छी आती है।

दोपहर में ना सोएं।

जिन लोगों को रात के समय ठीक से नींद नही आती वो लोग दोपहर में कभी ना सोएं।

कुंभकर्ण की भूमिका में नजर आएंगे फैसल मलिक

फिल्म 'रामायण' सबसे ज्यादा इंतजार किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स में से एक है। इस फिल्म में रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश जैसे कई बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। फिल्म को लेकर फैंस उत्साहित हैं। खबर है कि इस फिल्म से 'पंचायत' फेम फैसल मलिक भी जुड़ रहे हैं। वह इसमें अहम किरदार निभाएंगे।

'रामायण' में कुंभकर्ण की भूमिका के लिए फैसल मलिक को चुना गया है। इससे पहले, इस भूमिका के लिए बॉबी देओल का नाम सामने आया था। फैसल मलिक को सीरीज 'पंचायत' में प्रह्लादचा का किरदार निभाने के लिए जाना जाता है। हाल ही में उन्हें अनिल कपूर की फिल्म 'सूबेदार' में भी देखा गया था।

पहला शेड्यूल पूरा किया

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है। बताया जाता है कि वह मुंबई के प्राइम फोकस स्टूडियो में कुंभकर्ण के शुरुआती सीन के लिए यश के साथ शामिल हुए। सूत्र ने पोर्टल को बताया कि फैसल मलिक की लंबाई और उनकी अच्छी-खासी कद-काठी उन्हें इस रोल के लिए एकदम सही बनाती है। अब तक, फैसल मलिक को कास्ट किए जाने की कोई भी आधिकारिक पुष्टि न तो फिल्म बनाने वालों की तरफ से हुई है और न ही एक्टर की तरफ से।

रामायण की कास्ट

वैरायटी इंडिया ने हाल ही में जानकारी दी थी कि राघव जुयाल को रामायण में मेघनाद (जिसे इंद्रजीत भी कहा जाता है) का रोल निभाने के लिए चुना गया है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम का रोल निभा रहे हैं, वहीं साई पल्लवी देवी सीता के रूप में नजर आएंगी। यश इस फिल्म में रावण के रूप में दिखाई देंगे। सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण का रोल निभाएंगे। काजल अग्रवाल और रकुल प्रीत सिंह मंदोदरी और शूर्पणखा के रूप में नजर आएंगी।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। रामायण पार्ट वन इस दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है, जबकि इसका दूसरा भाग 2027 की दिवाली पर रिलीज होगा।

सपनों को उड़ान देने के लिए पंख जरूरी और ये पंख हमारे अपने होते हैं

सपनों को पूरा करने की दौड़ में कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में अगर किसी का सहारा मिले तो संघर्ष कुछ हद तक आसान लगने लगता है। यही बात बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि टैलेंट के साथ-साथ अगर किसी का साथ मिल जाए तो इंसान कामयाबी हासिल कर सकता है। दिव्या दत्ता ने कहा, ''हर इंसान के अंदर टैलेंट जरूर होता है, लेकिन उसे पहचानने के लिए किसी अपने का साथ जरूरी होता है। जब किसी व्यक्ति को परिवार का साथ मिलता है तो उसका आत्मविश्वास और हौसला दोगुना हो जाता है। सपनों को उड़ान देने के लिए पंख चाहिए होते हैं, और ये पंख हमारा अपना परिवार और अपने ही लोग ही होते हैं।'' दिव्या दत्ता ने अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, ''मैंने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोगों को देखा है कि वे किस तरह अपनी पहचान बना रहे हैं। कोई गृहिणी अपने कुकिंग टैलेंट को दुनिया के सामने ला रही है, तो कोई ट्रैवल ब्लॉग के जरिए लोगों के बीच अपनी पहचान बना रहा है। इन सभी कहानियों में एक चीज समान है, और वो है अपने परिवार और करीबियों का साथ... इस साथ के जरिए उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत मिलती है।''

उन्होंने कहा, ''मैंने अक्सर देखा है कि लोग अपनी ही दुनिया में सिमटे रहते हैं और ये मानकर बैठे रहते हैं कि उनकी परेशानियां और संघर्ष सबसे बड़े हैं, लेकिन जब हम दूसरों की कहानियों को देखते हैं, तब पता चलता है कि हर किसी की अपनी-अपनी लड़ाई है, जिसे लड़कर वह आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में अगर किसी को थोड़ा सा भी सहारा मिल जाए तो वह बड़ी से बड़ी मुश्किल को पार कर सकता है।'' इस बातचीत में फिल्ममेकर सशांत शाह ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''आज के समय में सोशल मीडिया एक बड़ा प्लेटफॉर्म बन चुका है। यहां हर किसी के टैलेंट को मौका मिलता है, लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि टैलेंट को सही समर्थन भी मिले। अगर किसी के अंदर काबिलियत है तो उसे आगे लाने के लिए किसी का साथ मिलना बहुत जरूरी है।''

रोमांटिक अंदाज में वापसी करेंगे शाहरुख

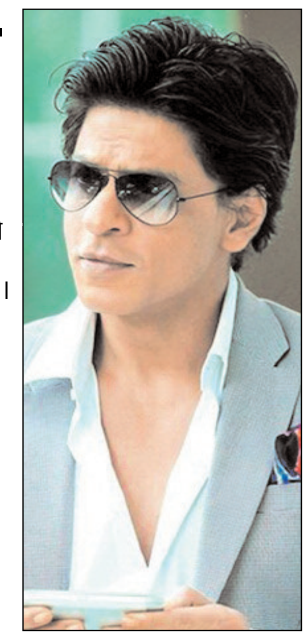

शाहरुख खान एक बार फिर बड़े पर्दे पर रोमांस का जादू बिखेरने की तैयारी में हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 'किंग' के बाद किंग खान एक बिग बजट रोमांटिक फिल्म में नजर आ सकते हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म में उनका लुक काफी अलग और विंटेज स्टाइल का होगा, जो दर्शकों के लिए नया अनुभव लेकर आएगा। रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म क्लासिक लव स्टोरी पर आधारित होगी, जिसमें इमोशंस और पुराने दौर की फीलिंग्स को मॉडर्न टच के साथ पेश किया जाएगा। मेकर्स इस प्रोजेक्ट को बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि दर्शकों को एक भव्य सिनेमैटिक अनुभव मिल सके। रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख इस फिल्म में एक परिपक्व और गहराई वाले किरदार में दिखाई देंगे। उनका यह अवतार उनके पुराने रोमांटिक इमेज की याद दिलाएगा, जिसे दर्शकों ने 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है' और 'वीर-जारा' जैसी फिल्मों में खूब पसंद किया था।

श्रीलीला ने बताया क्यों छोड़ना चाहती थीं इंडस्ट्री

तेलुगु अभिनेत्री श्रीलीला इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वो पवन कल्याण के साथ नजर आई हैं। इस बीच श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की और बताया कि ट्रोलिंग से उन पर क्या प्रभाव पड़ता है। उन्होंने ये भी बताया कि आखिर क्यों उन्होंने फिल्में छोड़ने तक का प्लान भी बना लिया था?

पहले ट्रोलिंग करती थी परेशान

श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की। उनसे पूछा गया कि क्या ट्रोलिंग उन्हें परेशान करती है? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि जब मैंने इस इंडस्ट्री में शुरुआत की थी, तब तो करती थी। मुझे बहुत बुरा लगता था, मैं रोती थी। मैंने अपनी मां से भी कहा था, मुझे नहीं लगता कि मैं यह कर पाऊंगी। क्या मुझे वापस स्कूल या कॉलेज जाना चाहिए? मैं बहुत संवेदनशील थी, लेकिन अब मुझे इसकी परवाह नहीं है। श्रीलीला ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि आजकल लोगों में अपनी बुद्धि होती है। इसलिए, निगेटिविटी देखने पर भी वे थोड़ा सोचते हैं। आजकल के लोगों में पहले से ज्यादा बुद्धि होती है। इसलिए वो ज्यादा ही सोचते हैं।

कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी श्रीलीला

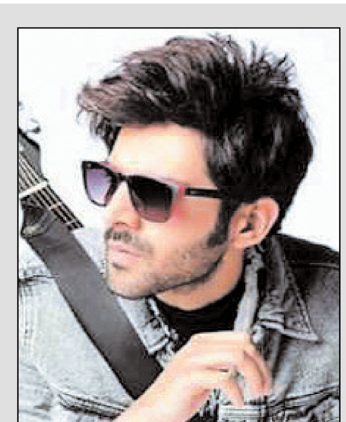

वर्कफ्रंट की बात करें 'उस्ताद भगत सिंह' के बाद श्रीलीला अब अनुराग बसु द्वारा निर्देशित अनाम फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में वो कार्तिक आर्यन के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। यह एक म्यूजिकल लव स्टोरी है। पहले इसे 'आशिकी 3' बताया जा रहा था, हालांकि, बाद में मेकर्स ने साफ किया कि ये 'आशिकी 3' नहीं है। अब फिल्म का नाम 'तू मेरी जिंदगी है' बताया जा रहा है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

'द इंडिया हाउस' से मेरा हिस्टोरिकल ड्रामा में काम करने का उनका सपना रहा है

अभिनेत्री सई मांजरेकर अपनी पैन इंडिया फिल्म 'द इंडिया हाउस' को लेकर काफी काफी उत्साहित हैं। 1905 में प्रेम और क्रांति की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में सई सती की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर सई का कहना है कि एक हिस्टोरिकल ड्रामा में काम करने का उनका सपना रहा है, जो इस फिल्म के साथ पूरा हो रहा है।

बातचीत में एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर कहा कि किसी ऐतिहासिक फिल्म में अभिनय करना हमेशा से मेरा सपना रहा है। जब मुझे पता चला कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं, तभी से मैं एक ऐतिहासिक फिल्म में काम करना चाहती थी। इसलिए यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। 'द इंडिया हाउस' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास और अद्भुत अनुभव है। जब मैंने पहली बार इसकी कहानी सुनी, तो मुझे पता चल गया कि यह सिर्फ एक और फिल्म नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी है जिसमें भावनाएं, इतिहास और उद्देश्य समाहित हैं।

अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि मेरा किरदार सती का है, और यह एक खूबसूरत भूमिका है। वह दृढ़ इच्छाशक्ति वाली होने के साथ-साथ कोमल और दयालु भी हैं। अपने भीतर इस संतुलन को खोजना एक बेहद यादगार अनुभव रहा। मुझे याद है कि एक सीन के बीच में मैं अक्सर 'प्लीज' या 'धन्यवाद' जैसे शब्द बोल देती थी, जो हम अन्य जॉनर में आसानी से इस्तेमाल करते हैं। फिर मैं माफी मांगती और सीन दोबारा करती। उस दौर के बारे में जानना और लोगों के रहन-सहन, पहनावे और बोलने के तरीके को समझना एक दिलचस्प अनुभव रहा है। इतने समृद्ध इतिहास से घिरे हम्पी में शूटिंग करने से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।

भाग्यशाली हूं राम चरण के साथ काम करने का मौका मिला

फिल्म की टीम के साथ काम करने के अनुभव को लेकर सई ने कहा कि राम चरण के पहले प्रोडक्शन में काम करना मेरे लिए सचमुच अनमोल है। वो साउथ इंडस्ट्री के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं। सिनेमा और इसमें शामिल हर व्यक्ति के प्रति उनका सम्मान इस फिल्म के हर पहलू में झलकता है। खिल सिद्धार्थ और अनुपम खेर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए एक बड़ा सीखने का अनुभव रहा है।

धुरंधर 2 के नए कलाकारों अपनी एक्टिंग से किया हैरान

'धुरंधर' की सफलता के बाद अब 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। इस बार फिल्म को लेकर लोगों का उत्साह पहले पार्ट से भी ज्यादा देखने को मिल रहा है। दूसरे पार्ट में कहानी आगे बढ़ती है। यही कारण है कि इस बार फिल्म की कास्ट में कई नए कलाकार भी शामिल हुए हैं। जानते हैं 'धुरंधर 2' में शामिल हुए नए कलाकारों के बारे में।

दानिश इकबाल

'धुरंधर' के बाद हर किसी को इंतजार था कि 'धुरंधर 2' में बड़े साहब कौन है? अब फिल्म की रिलीज के बाद इस बात से पर्दा हट चुका है। क्योंकि बड़े साहब के किरदार में दानिश इकबाल नजर आए हैं। फिल्म में उन्होंने जबरदस्त काम किया है और अपने किरदार से इंसाफ किया है।

यामी गौतम

ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि 'धुरंधर 2' में यामी गौतम भी नजर आ सकती हैं। अब 'धुरंधर 2' के रिलीज होने के बाद यामी गौतम का फिल्म कैमियो नजर आया है। 'धुरंधर: द रिवेंज' में यामी शाजिया बानो की भूमिका निभा रही हैं, जो एक नर्स है। हालांकि, इसके आगे बताना स्पॉइलर हो जाएगा। लेकिन इस स्पाई-थ्रिलर में यामी का कैमियो है।

उदयबीर संधू

यामी गौतम के अलावा 'धुरंधर 2' में अभिनेता उदयबीर संधू ने भी अहम भूमिका निभाई है। उदयबीर फिल्म में जसकीरत सिंह रांगी (रणवीर सिंह) के करीबी दोस्त गुरबाज सिंह का किरदार निभा रहे हैं। उन्हें प्यार से पिंडा कहा जाता है।

भाषा सुंबली

'द कश्मीर फाइल्स' से चर्चा में आई अभिनेत्री भाषा सुंबली भी इस स्पाई-थ्रिलर में नजर आई हैं। उन्होंने 'धुरंधर 2' में एक वकील की भूमिका निभाई है। उनका किरदार बहुत लंबा तो नहीं, लेकिन महत्वपूर्ण जरूर है।

मधुरजीत सरघी

मधुरजीत सरघी जसकिरत सिंह रांगी यानी रणवीर सिंह की मां प्रभनीत कौर रांगी के किरदार में नजर आती हैं। वो इससे पहले टेलीविजन शो और कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

सुविंदर पाल

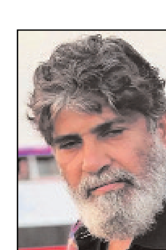

सुविंदर पाल ने ब्रिगेडियर जहांगीर का किरदार निभाया है। कोहरा फिल्म के लिए मशहूर इस अभिनेता को 'धुरंधर द रिवेंज' में अर्जुन रामपाल उर्फ मेजर इकबाल के पिता के रूप में देखा जा सकता है।

परवीर कौर

जसकीरत सिंह रांगी की बहन के किरदार में परवीर कौर नजर आई हैं। उन्होंने फिल्म में जसलीन कौर रांगी की भूमिका निभाई है। फिल्म में उनकी भूमिका अहम है।

हितिका बाली

अभिनेत्री हितिका बाली ने 'धुरंधर 2' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वो फिल्म में जसकीरत सिंह रांगी की दूसरी बहन हरलीन कौर रांगी के रोल में नजर आई हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।